सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

सु-विचार
"वक्त जो बीत गया उस पर बात मत कीजिए जो वक्त बच गया है उसे बर्बाद मत कीजिए...!!"
अज्ञात...

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

वर्ष-01 अंक-154 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, मंगलवार 23 जून 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य -2 रुपए

महासमुंद के बलौदा-बेलमुंडी में मिले हीरे, छत्तीसगढ़ के विकास को लगेंगे पंख

200 टन सैंपल से निकले 1.22 कैरेट के 5 हीरे, दो जेम क्वालिटी के ; निवेश-रोजगार के खुलेंगे रास्ते

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ की खनिज संपदा में एक नया अध्याय जुड़ गया है। महासमुंद जिले के सरायपाली स्थित बलौदा-बेलमुंडी डायमंड ब्लॉक में वैज्ञानिक अन्वेषण के दौरान हीरों की पुष्टि हुई है। एनएमडीसी-सीएमडीसी लिमिटेड ने 200 टन बल्क सैंपल के परीक्षण के बाद कुल 1.22 कैरेट वजन के 5 हीरे हासिल किए हैं। इनमें दो जेम क्वालिटी और तीन अन्य श्रेणी के हीरे शामिल हैं।

वैज्ञानिक सर्वेक्षण से मिली सफलता

एनएमडीसी-सीएमडीसी लिमिटेड के अनुसार बलौदा-बेलमुंडी क्षेत्र में स्ट्रीम सेडिमेंट सैंपलिंग, भू-भौतिकीय अध्ययन और अन्वेषण ड्रिलिंग के बाद चिन्हित क्षेत्र से 200 टन खनिज सामग्री का बल्क सैंपल लिया गया था। इसके प्रसंस्करण के बाद हीरे प्राप्त हुए। विशेषज्ञों का मानना है कि यह सफलता भविष्य के विस्तृत अन्वेषण के लिए अहम संकेत है। इससे क्षेत्र की भूगर्भीय संरचना और संभावित भंडारों के अध्ययन का रास्ता खुलेगा।

सीएम साय बोले : आर्थिक विकास को मिलेगा नया आयाम

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इसे प्रदेश के लिए उत्साहजनक उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि यह आर्थिक क्षमता और प्राकृतिक संसाधनों के वैज्ञानिक दोहन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

फाइल फोटो

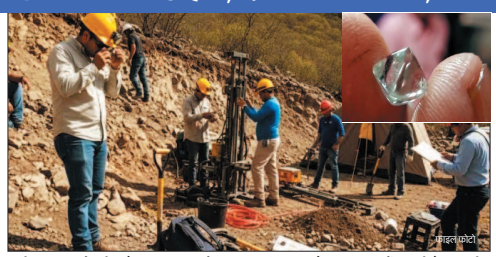

छत्तीसगढ़ पहले ही लौह अयस्क, कोयला, बॉक्साइट और चूना पत्थर में अग्रणी है। अब हीरा संभावनाओं से खनिज विविधता और समृद्ध होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की नीति केवल उत्खनन तक सीमित नहीं है। खनिज आधारित उद्योगों, मूल्य संवर्धन इकाइयों और स्थानीय रोजगार सृजन पर जोर है। खनिज संसाधनों से निवेश और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देकर विकसित छत्तीसगढ़ का लक्ष्य साकार किया जा रहा है।

निवेश और रोजगार की बढ़ी उम्मीद

बलौदा-बेलमुंडी में हीरा खनिजीकरण की पुष्टि से भविष्य में बड़े पैमाने पर निवेश, राजस्व सृजन और रोजगार के नए अवसर बनेंगे। सीएम ने कहा कि यह सफलता प्रदेश की खनिज क्षमता को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाएगी। वैज्ञानिक अन्वेषण और आधुनिक तकनीकों से अन्य संभावित क्षेत्रों में भी खोज को गति मिलेगी।

पन्ना के स्ट्रांग रूम में सुरक्षित रखे गए हीरे

बल्क सैंपल परीक्षण से प्राप्त पांचों हीरों को सुरक्षित अभिरक्षा में एनएमडीसी के पन्ना स्थित स्ट्रांग रूम में रखा गया है। आगे की कार्रवाई नियमानुसार और वैज्ञानिक मानकों के तहत की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि छत्तीसगढ़ आने वाले वर्षों में देश की खनिज आधारित अर्थव्यवस्था और औद्योगिक विकास का प्रमुख केंद्र बनकर उभरेगा।

खर्वे गांव में 8 संदिग्ध मौतों का खुलासा : मुख्य आरोपी रामसहाय जायसवाल गिरफ्तार

जहरीली शराब पिलाकर हत्या की आशंका, 9 एफआईआर दर्ज ; आज एसपी करेंगे प्रेस कॉन्फ्रेंस

नई दृष्टिबिंदु / बलौदाबाजार

जिले के खर्वे गांव में पिछले तीन महीने से चल रहे मौत के सिलसिले से आखिरकार पर्दा उठ गया है। कसडोल थाना पुलिस ने 8 संदिग्ध मौतों के मामले में मुख्य आरोपी रामसहाय जायसवाल को गिरफ्तार कर लिया है। दो दिन की गहन पूछताछ के बाद पुलिस ने हत्या के आरोप में उसे हिरासत में लिया। आज दोपहर पुलिस अधीक्षक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पूरे मामले का खुलासा करेंगे।

मजाक उड़ाने वालों को बनाता था निशाना

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी छोटी-छोटी बातों पर रंजिश पाल लेता था। खासकर मजाक उड़ाने वालों को वह दुश्मन मान लेता था। शुरुआती पूछताछ में पता चला कि इसी रंजिश में उसने लोगों को निशाना बनाया।

जहरीली शराब से हत्या का शक : जांच एजेंसियों को आशंका है कि आरोपी ने कई लोगों को जहरीली शराब पिलाकर मार डाला। मृतकों के परिजनों का भी आरोप है कि रामसहाय ने अलग-अलग समय पर उन्हें शराब दी थी। शराब पीने के बाद तबीयत बिगड़ी और कुछ समय में मौत हो गई।

8 हत्या, 9 एफआईआर दर्ज : कसडोल पुलिस ने आरोपी के खिलाफ 8 अलग-अलग हत्या के मामले दर्ज किए हैं। जहर देने से जुड़ी धाराओं को मिलाकर कुल 9 एफआईआर दर्ज हुई हैं। पुलिस यह भी जांच रही है कि इस वारदात में और लोग शामिल तो नहीं हैं।

6 फरवरी से 14 मई तक 8 मौतें : खर्वे गांव में मौतों का सिलसिला 6 फरवरी 2026 को बद्री पटेल से शुरू हुआ। 20 फरवरी को बुढालू साहू, मार्च में बुधराम जायसवाल, छत्तूराम साहू और विनोद साहू की मौत हुई। अप्रैल में गजानंद मांझी व चैतूराम साहू और 14 मई को महेतरू साहू की मौत के बाद गांव में दहशत फैल गई थी। एक गांव में लगातार 8 मौतों से ग्रामीणों में आक्रोश था। बड़ी संख्या में लोग कसडोल थाने पहुंचे और निष्पक्ष जांच की मांग की थी।

21 बलि की अफवाह से फैला था खौफ : लगातार मौतों के बीच गांव में यह अफवाह भी फैली कि गड़े धन के लिए 21 लोगों की बलि दी जानी है। हालांकि पुलिस ने इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की, पर इस चर्चा ने ग्रामीणों में भय बढ़ा दिया था।

सबूत जुटाने गांव पहुंची पुलिस : पुलिस कड़ी सुरक्षा में आरोपी को उसके गांव ले गई है। आरोपी के घर और आसपास सघन जांच चल रही है। पूछताछ के आधार पर पुलिस नए पहलुओं की जांच कर रही है। आज दोपहर पुलिस अधीक्षक की प्रेस कॉन्फ्रेंस में हत्या के तरीके, आरोपी की मंशा और तीन महीने तक दहशत फैलाने वाले इस घटनाक्रम से पर्दा उठ सकता है।

बीएसपी स्क्रैप चोरी कांड : 3 आरोपी जेल भेजे गए
3 करोड़ की संपत्ति-50 लाख के गहने किए जब्त

लॉकर से मिले दस्तावेज, फर्जी नंबर प्लेट से करते थे परिवहन, अब तक 12 गिरफ्तार

पुलिस का बड़ा खुलासा, बीएसपी में राखड़ की आड़ में हो रहा था करोड़ों का लोहा चोरी
दो हाइवा समेत 100 टन से ज्यादा जखीरा जब्त, ट्रांसपोर्टर संजय सिंह फरार

28 मई 2026

बीएसपी से 90 लाख का स्क्रैप चोरी संगठित गिरोह के 4 आरोपी गिरफ्तार
250 टन लोहा, 8 वाहन समेत 3.22 करोड़ का माल जब्त, संगठित अपराध की धाराएं जोड़ीं

29 मई 2026

सांध्य दैनिक नई दृष्टिबिंदु
फ्लाई एश की आड़ में बीएसपी से 250 टन लोहा चोरी, संगठित सिंडिकेट का खुलासा

30 मई 2026

सांध्य दैनिक नई दृष्टिबिंदु
बीएसपी से 250 टन लोहा चोरी का मास्टरमाइंड कौन?, सीआईएसएफ-अधिकारी-ठेकेदार गठजोड़ पर उठे सवाल

3 जून 2026

बीएसपी स्क्रैप चोरी कांड : मुख्य आरोपी संजय सिंह को यूपी से किया गिरफ्तार
3.22 करोड़ का माल जब्त, पुलिस रिमांड पर दो आरोपी, 8 पहले जा चुके हैं जेल

17 जून 2026

भिलाई पुलिस करोड़ों के स्क्रैप चोरी करने वाले नेटवर्क की परतें खोलने में जुटी, पूछताछ में कई नाम आए सामने

19 जून 2026

बीएसपी से संगठित लौह स्क्रैप चोरी मामले में 2 और गिरफ्तार, 12 आरोपी पकड़े गए
3.22 करोड़ की संपत्ति जब्त, 250 टन स्क्रैप हुए बरामद

20 जून 2026

आलोक तिवारी / भिलाई

भिलाई स्टील प्लांट से संगठित स्क्रैप चोरी के मामले में खुर्सीपार पुलिस ने पुलिस रिमांड पूरी होने के बाद तीन आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। मुख्य आरोपी संजय सिंह के लॉकर से करीब 50 लाख के आभूषण और 3 करोड़ की अचल संपत्तियों के दस्तावेज जब्त किए गए हैं।

फ्लू डस्ट की आड़ में हो रही थी चोरी

26 मई को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने ग्राम अकलोरडीह खदान पारा स्थित ए.के. ट्रेडर्स, प्लॉट नंबर 18 ए/05, हथखोज भिलाई में छापा मारा था। जांच में हाईवा और ट्रकों में फ्लू डस्ट के साथ बीएसपी से चोरी की गई लोहे की प्लेट, बीम और कटिंग लोड मिली। मौके से लगभग 250 टन स्क्रैप जिसकी कीमत 90 लाख रुपये है, जब्त किया गया था। लोडिंग-परिवहन में लगे वाहनों समेत कुल 3 करोड़ 22 लाख की संपत्ति जब्त हुई थी।

यूपी से पकड़ा गया मुख्य आरोपी

प्रकरण में पहले 9 आरोपी गिरफ्तार हो चुके थे। मुख्य फरार आरोपी संजय सिंह, 48 वर्ष, निवासी खुर्सीपार को विशेष टीम ने उत्तरप्रदेश के देवरिया से गिरफ्तार किया। 16 जून को गिरफ्तारी के बाद 7 दिन की पुलिस रिमांड ली गई। रिमांड में पूछताछ पर अमित शर्मा उर्फ कैलाश शर्मा, 45 वर्ष, निवासी सेक्टर-02 भिलाई और आकाश कुमार सिंह, 29 वर्ष, निवासी हाउसिंग बोर्ड जामुल की संलिप्तता सामने आई। दोनों को भी गिरफ्तार किया गया।

घटनास्थल का पुनर्निर्माण, फर्जी नंबर प्लेट भी मिलीं

पुलिस ने तीनों आरोपियों को खुर्सीपार गेट से एसएमएस-3 तक ले जाकर घटनास्थल का पुनर्निर्माण कराया और साक्ष्य जुटाए। चोरी के लोहे के परिवहन में इस्तेमाल वाहनों की फर्जी नंबर प्लेट भी जब्त की गई हैं। रिमांड खत्म होने पर तीनों आरोपियों को आज न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया। इस केस में अब तक कुल 12 गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। जांच जारी है।

गहनों-संपत्ति में लगाया चोरी का पैसा

पूछताछ में आरोपियों ने कबूला कि बीएसपी से चोरी का लोहा बेचकर मिले पैसे को संपत्तियों और आभूषणों में निवेश किया। संजय सिंह के लॉकर से 50 लाख के गहने और 3 करोड़ की संपत्तियों के कागजात मिले। आरोपी अक्षय कुमार से भी संपत्ति के दस्तावेज जब्त हुए हैं। इन संपत्तियों की कुर्की की कार्रवाई अलग से होगी।

भास्कर मुदलियार के नाम है वाहन

भिलाई इस्पात संयंत्र से 250 टन स्क्रैप चोरी मामले में पुलिस की जांच शहर के अन्य ट्रांसपोर्टरों तक पहुंच गई है। मुख्य आरोपी संजय सिंह व अन्य से पूछताछ में मिले सुरागों के बाद पुलिस ने काले कारोबार में लगे वाहनों की पड़ताल तेज कर दी है।

फर्जी नंबर प्लेट वाले वाहन जब्त

जांच में सामने आया कि चोरी का लोहा परिवहन करने के लिए कई वाहनों की नंबर प्लेट बदली जा रही थीं। पुलिस ने नंबर प्लेट बदलकर तस्करी में इस्तेमाल हो रहे वाहनों को जब्त कर लिया है। सूत्रों के अनुसार वाहन क्रमांक सीजी 10 आर 2004, जो भास्कर मुदलियार से जुड़ा बताया गया है। अन्य वाहनों में कई नंबर फर्जी पाए गए हैं। पुलिस भास्कर मुदलियार सहित उनसे जुड़े ट्रांसपोर्टरों से भी पूछताछ कर रही है। राष्ट्रीय संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों पर कड़ी कार्रवाई होगी। पुलिस पूरे सिंडिकेट की तह तक जाएगी। राजनीतिक प्रभाव की आशंकाओं के बीच पुलिस जांच में जुटे अधिकारीगण जांच में पारदर्शिता का भरोसा दिलाया है।

खरीदारों पर भी कसेगा शिकंजा

पुलिस अब बीएसपी से चोरी का स्क्रैप खरीदने वाले कारोबारियों की पहचान कर रही है। चोरी का माल खरीदना गंभीर अपराध है। पुलिस का कहना है कि जांच का दायरा और बढ़ेगा और सिंडिकेट से जुड़े अन्य नाम भी सामने आ सकते हैं।

रिटायर्ड चीफ इंजीनियर भागीरथ वर्मा एसीबी रिमांड पर, वाटर एटीएम घोटाले में नए खुलासे

सहायक अभियंता समेत कई से पूछताछ, फर्जी दस्तावेज से करोड़ों का भुगतान कराने का आरोप

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-भिलाई

भिलाई नगर निगम के रिटायर्ड चीफ इंजीनियर भागीरथ वर्मा के खिलाफ एंटी करप्शन ब्यूरो की जांच में रोज नए खुलासे हो रहे हैं। एसीबी ने वर्मा को 27 जून तक पुलिस रिमांड पर लिया है। इस बीच वाटर एटीएम लगाने के नाम पर हुए करोड़ों के फर्जीवाड़े में उनकी भूमिका सामने आई है।

ठेकेदार से लेनदेन, सहायक अभियंता से पूछताछ : एसीबी ने 17 जून को ठेकेदार राघवेंद्र तिवारी की शिकायत पर वर्मा को गिरफ्तार किया था। आरोप है कि वर्मा ने पद पर रहते हुए ठेका दिलाने और कागजी आपत्तियां दूर करने के नाम पर तीन साल में करोड़ों रुपये लिए। महंगे उपहार, सोने-हीरे की अंगूठियां, एसी, टाइल्स, ग्रेनाइट, एलईडी लाइट भी लीं।

जांच में सामने आया कि वर्मा से जुड़े लोगों को लगातार पूछताछ के लिए बुलाया जा रहा है। रविवार को ठेकेदार और वर्मा के बीच मध्यस्थता करने वाले सहायक अभियंता को भी तलब किया गया। जानकारी के मुताबिक सहायक अभियंता ने ही वर्मा के कहने पर ठेकेदार को पैसा लौटाने की पहल की थी। इसके वाट्सएप चैट के साक्ष्य मिलने के बाद उसे पूछताछ के लिए बुलाया गया।

वाटर एटीएम घोटाले का आरोप : एसीबी जांच में 2020 में हुए वाटर एटीएम फर्जीवाड़े में भी वर्मा की भूमिका उजागर हुई है। आरोप है कि राज्य के कई जिलों में वाटर एटीएम लगाने के नाम पर फर्जीवाड़ा किया गया। सभी नगर पालिकाओं से स्थानीय स्तर पर वाटर एटीएम लगाने का प्रस्ताव मंगाया गया था। ठेका करीबियों को दिया गया।

फर्जी दस्तावेज से भुगतान : जबकि राज्य सरकार ने सार्वजनिक स्थलों पर जल सुविधा के लिए यूरो केयर एवं राइट वाटर कंपनी को पहले से कांट्रैक्ट दिया था। अधिवक्ता सौरभ चौबे के मुताबिक कंपनियों से वाटर चिलर लगाने का अनुबंध था। इसके बावजूद वर्मा ने सांठगांठ कर वाटर चिलर की जगह साधारण वाटर कूलर लगाने का अलग से आदेश जारी कराया।

स्थानीय स्तर पर तीन-तीन कोटेशन लेकर वाटर कूलर लगवाए गए। एक-एक कंपनी को करीब 7 लाख का टेंडर दिया गया। आरोप है कि कंपनियों के नाम से फर्जी दस्तावेज तैयार कराए, बैंक में खाता खुलवाया और 40 से 50 प्रतिशत कमीशन लेकर भुगतान करवा दिया। एक कंपनी के नाम से फर्जी दस्तावेज बनाकर परिचितों की कंपनी में पैसा भेजा गया।

दुर्ग-बिलासपुर में दर्ज हुए थे केस : फर्जीवाड़ा पकड़े जाने के बाद दुर्ग और बिलासपुर में केस दर्ज हुआ था। कई लोग जेल भी गए थे। 19 मार्च 2020 को नगरीय प्रशासन विभाग रायपुर संभाग ने नगर निगमों, पालिकाओं और पंचायतों को एक सप्ताह में वाटर एटीएम में वाटर कूलर लगाने के निर्देश दिए थे। समीक्षा में पाया गया कि कई निकायों ने काम नहीं किया।

तीन साल में 1.68 करोड़ लेने का आरोप : ठेकेदार राघवेंद्र तिवारी ने शिकायत में कहा कि 2019 से 2021 के बीच वर्मा को 1 करोड़ 68 लाख 52 हजार रुपये दिए। 2019 में 32.65 लाख, 2020 में 42.65 लाख और 2021 में 93.22 लाख रुपये दिए गए। व्हाट्सएप चैट और बैंक लेनदेन के साक्ष्य भी हैं। 24 दिसंबर 2025 को पुलिस को शिकायत दी थी, पर कार्रवाई नहीं हुई। सेवानिवृत्ति के दूसरे दिन ठेकेदार और वर्मा के बीच लेनदेन का ऑडियो भी वायरल हुआ था।

8-10 ठिकानों पर छापे, लिवइन पार्टनर भी रडार पर : एसीबी ने वर्मा के 8 से 10 ठिकानों पर छापे मारे। प्रॉपर्टी के दस्तावेज जब्त किए। वर्मा की लिवइन पार्टनर अंजलि साहू, ड्राइवर और बेटी को भी पूछताछ के लिए बुलाया गया। अंजलि साहू नगरीय प्रशासन विभाग में उप अभियंता हैं। एग्रीमेंट में लिखा है कि वर्मा की कई प्रॉपर्टी में अंजलि बराबर की हिस्सेदार रहेगी। तपोभूमि स्थित पत्नी की संपत्ति के दस्तावेजों में हेरफेर की शिकायत भी है।

करोड़ों की संपत्ति, पेट्रोल पंप भी : जांच में सामने आया कि वर्मा के पास उज्जैन-इंदौर रोड पर दो फार्म हाउस, रायपुर जोरा में फ्लैट, मोतीपुर व पिरदा में फार्म हाउस, नया रायपुर में फ्लैट, अग्रोहा कॉलोनी रायपुर में बंगला, नगपुरा दुर्ग व रायपुर में पेट्रोल पंप, चार पहिया वाहन हैं। पुणे में भी संपत्ति की जानकारी मिली है। दुर्ग-राजनांदगांव में कमलेश नामक व्यक्ति के जरिए ब्याज पर लेनदेन का निवेश होने की जानकारी है। नगपुरा में कुंतल सोलंकी से पेट्रोल पंप खरीदा था। सोलंकी को भी एसीबी ने बुलाकर लेनदेन पर पूछताछ की। नौकरानी के घर भी दबिश देकर दस्तावेज जुटाए गए।

2019 से 2023 तक पद पर थे वर्मा : एसीबी के मुताबिक वर्मा 2019 से 2023 तक नगरीय प्रशासन विभाग में मुख्य अभियंता थे। इस दौरान टेंडर के बदले रिश्वत लेकर अकूत संपत्ति बनाई। भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 व 11 के तहत केस दर्ज है। 17 जून को गिरफ्तारी के बाद 18 जून को कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने 27 जून तक रिमांड दिया है। एसीबी का मानना है कि पूछताछ में और खुलासे हो सकते हैं। अधिवक्ता सौरभ चौबे ने वर्मा के कार्यकाल के संदिग्ध टेंडरों की जांच की मांग की है।

सोमनाथ मंदिर हमारे राष्ट्रीय स्वाभिमान, सांस्कृतिक गौरव और आस्था का प्रमुख केन्द्र : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने विशेष ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर सोमनाथ स्वाभिमान सांस्कृतिक यात्रा का किया शुभारंभ

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राजधानी रायपुर के रेलवे स्टेशन से सोमनाथ ज्योतिर्लिंग के लिए विशेष ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर सोमनाथ स्वाभिमान सांस्कृतिक यात्रा का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सोमनाथ मंदिर हमारे राष्ट्रीय स्वाभिमान, सांस्कृतिक गौरव और आस्था का प्रमुख केन्द्र है। सोमनाथ मंदिर को अनेक बार आक्रांताओं ने तोड़ा, लेकिन हर बार मंदिर का पुनर्निर्माण हुआ, ये देशवासियों की अटूट आस्था का परिणाम है।

सोमनाथ स्वाभिमान सांस्कृतिक यात्रा के तहत विशेष ट्रेन से छत्तीसगढ़ से सोमनाथ के लिए 1000 से अधिक विशिष्टजन, पद्मश्री, राज्य एवं राष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित कलाकार एवं साहित्यकार रवाना हुए। यात्रा में शामिल श्रद्धालु छत्तीसगढ़ के शिवालयों की पावन भूमि के माटी कलश और पावन नदियों का जल कलश बाबा सोमनाथ को अर्पण करेंगे। मुख्यमंत्री श्री साय ने भगवान सोमनाथ से छत्तीसगढ़ की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की प्रार्थना की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज छत्तीसगढ़ के लिए बहुत गौरवशाली दिन है जब प्रदेश भर से 1000 से अधिक श्रद्धालु भगवान सोमनाथ के दर्शन के लिए रवाना हो रहे हैं। हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरे देश में 11 जनवरी 2026 से 11 जनवरी 2027 तक सोमनाथ स्वाभिमान पर्व राष्ट्रीय स्मरणोत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। इस पर्व के अंतर्गत सोमनाथ स्वाभिमान यात्रा का आयोजन किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हम लौहपुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल का श्रद्धापूर्वक स्मरण करते हैं, उन्होंने भारत की आजादी के बाद राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक पुनर्जागरण के प्रतीक के रूप में सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का संकल्प लिया था। 75 वर्ष पूर्व देश के प्रथम राष्ट्रपति डा. राजेंद्र प्रसाद जी ने पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर का लोकार्पण किया था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे लिए गौरव की बात है कि छत्तीसगढ़ से पद्मश्री, राज्य एवं राष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित कलाकार एवं साहित्यकार इस यात्रा में अपने साथ अपने-अपने क्षेत्रों के धार्मिक, ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक महत्व के शिवालयों की पावन माटी और पावन नदियों के जल कलश लेकर रवाना हो रहे हैं। यह यात्रा भारत की सांस्कृतिक एकता का जीवंत उदाहरण है।

इस अवसर पर संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि सोमनाथ धाम की यह यात्रा श्रद्धालुओं को केवल आध्यात्मिक अनुभूति ही नहीं बल्कि भारत की महान सांस्कृतिक परम्परा और राष्ट्रीय गौरव को निकट से अनुभव करने का अवसर भी प्रदान करेगी। भगवान सोमनाथ से प्रार्थना है कि वे हमारे प्रदेश छत्तीसगढ़ सहित भारतवर्ष को समृद्धि, शांति और विकास के पथ पर अग्रसर करें।

मुख्यमंत्री श्री साय ने सोमनाथ स्वाभिमान सांस्कृतिक यात्रा पर जा रहे श्रद्धालुओं से मुलाकात की और उनकी मंगलमय यात्रा की कामना करते हुए उन्हें अंगवस्त्र भेंट किया। इस अवसर पर कौशल विकास मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, विधायक धरमलाल कौशिक, अनुज शर्मा, इंद्रकुमार साहू, डोमन लाल कोर्सेवाड़ा, संपत अग्रवाल, छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के अध्यक्ष प्रभात मिश्रा, फिल्म विकास निगम की अध्यक्ष सुश्री मोना सेन सहित जनप्रतिनिधिगण एवं वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

खास खबर

राज्यपाल से क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने की भेंट

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राज्यपाल रमेन डेका से लोकभवन में रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी, उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा, रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू एवं रायपुर नगर निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने सौजन्य भेंट की।

सेवा, समर्पण और सुशासन के 12 वर्ष : वित्त मंत्री चौधरी ने सुगन चंद फरमानिया से की भेंट

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सेवा, समर्पण और सुशासन के 12 वर्षों का कायर्काल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे विशेष जनसंपर्क अभियान के अंतर्गत वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने रायगढ़ के सम्माननीय वरिष्ठ नागरिक सुगन चंद फरमानिया के निवास पहुंचकर उनसे आत्मीय मुलाकात की। इस अवसर पर वित्त मंत्री श्री चौधरी ने श्री फरमानिया का शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया तथा उन्हें रामचरितमानस की प्रति भेंट की। उन्होंने वरिष्ठजनों के अनुभव, सामाजिक योगदान एवं मार्गदर्शन को समाज की अमूल्य धरोहर बताते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना की।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों में देश ने सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण, सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण तथा जनभागीदारी के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। इसी क्रम में विशेष जनसंपर्क अभियान के माध्यम से समाज के प्रबुद्ध एवं सम्मानित नागरिकों से संवाद स्थापित कर उनके अनुभवों और सुझावों को साझा किया जा रहा है। सुगन चंद फरमानिया ने इस आत्मीय भेंट एवं सम्मान के लिए वित्त मंत्री ओपी चौधरी का आभार व्यक्त किया तथा जनकल्याण और राष्ट्र निर्माण के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

डीडी नगर मंदिर से दानपेटी चोरी का खुलासा, विधि से संघर्षरत बालक गिरफ्तार

रायपुर। डीडी नगर थाना क्षेत्र में स्थित पशुपतिनाथ मंदिर से दानपेटी चोरी के मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए मामले में एक विधि से संघर्षरत बालक को गिरफ्तार किया है। आरोपी से चोरी की गई राशि में से 2200 रुपये बरामद किए गए हैं, जबकि बाकी रकम खर्च किए जाने की बात सामने आई है। शिकायत के आधार पर थाना डीडी नगर में अपराध क्रमांक 381/26 धारा 305ए बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान टीम ने घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। तकनीकी साक्ष्यों और अन्य जानकारी के आधार पर पुलिस को एक संदिग्ध बालक के बारे में सुराग मिला। इसके बाद पुलिस ने विधि से संघर्षरत बालक को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ के दौरान उसने मंदिर की दानपेटी से चोरी की वारदात को स्वीकार कर लिया।

छग प्रदेश का सबसे मॉडल शहर बनेगा रायगढ़ : वित्त मंत्री चौधरी

शहर में चल रहे प्रमुख विकास कार्यों का किया निरीक्षण, गुणवत्ता और समय-सीमा पर दिया जोर

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक ओपी चौधरी ने सोमवार को रायगढ़ नगर निगम क्षेत्र में संचालित विभिन्न महत्वाकांक्षी विकास परियोजनाओं का निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने मरीन ड्राइव, अंतर्राज्यीय बस स्टैंड (आईएसबीटी), एफसीआई ऑक्सीजोन, मिट्ठुमुड़ा तालाब, किसान राइस मिल ऑक्सीजोन तथा कयाघाट पुल सहित कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का स्थल पर पहुंचकर अवलोकन किया और अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

जल संरक्षण परियोजनाओं का लिया जायजा

निरीक्षण के दौरान वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि रायगढ़ को प्रदेश के सबसे आधुनिक, सुव्यवस्थित और सुविधासंपन्न शहर के रूप में विकसित करना उनका संकल्प है। उन्होंने कहा कि सड़क, परिवहन, पर्यावरण, जल संरक्षण और नागरिक सुविधाओं से जुड़ी ये परियोजनाएं पूर्ण होने के बाद रायगढ़ विकास का नया मॉडल बनकर उभरेगा।

नवंबर तक पूरा होगा मरीन ड्राइव

प्रगति नगर स्थित निर्माणाधीन मरीन ड्राइव का निरीक्षण करते हुए वित्त मंत्री ने कार्यों की गुणवत्ता और प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने मुख्य बॉक्स कल्वर्ट एवं डायवर्सन निर्माण कार्य समय पर पूरा होने पर संतोष व्यक्त किया और संबंधित एजेंसियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि मरीन ड्राइव केवल यातायात सुविधा का माध्यम नहीं, बल्कि रायगढ़ की नई पहचान बनने जा रही है। इससे शहर की सुंदरता बढ़ेगी, यातायात व्यवस्था सुगम होगी तथा नागरिकों को एक आकर्षक सार्वजनिक स्थल भी मिलेगा। उन्होंने अधिकारियों को आगामी नवंबर तक परियोजना पूर्ण करने के निर्देश दिए।

मिलेगा अत्याधुनिक बस टर्मिनल

वित्त मंत्री ने निर्माणाधीन अंतर्राज्यीय बस स्टैंड (आईएसबीटी) का निरीक्षण करते हुए कहा कि यह परियोजना आगामी चार दशकों की जरूरतों को ध्यान में रखकर विकसित की जा रही है। उन्होंने बताया कि बस स्टैंड में एक साथ 30 बसों के संचालन की सुविधा होगी, जबकि अतिरिक्त 40 बसों के लिए भी पर्याप्त पार्किंग एवं स्थान आरक्षित रहेगा। यात्रियों के लिए आधुनिक प्रतीक्षालय विकसित किया जा रहा है, जहां लगभग 550 लोगों के बैठने की व्यवस्था होगी। वहीं बसों के रखरखाव और मरम्मत के लिए पृथक वर्कशॉप क्षेत्र भी बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह बस टर्मिनल रायगढ़ को प्रदेश और देश के प्रमुख शहरों से बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करेगा तथा यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराएगा।

हरियाली और पर्यावरण संरक्षण को मिलेगी नई मजबूती

वित्त मंत्री ने एफसीआई परिसर में विकसित किए जा रहे ऑक्सीजोन प्रोजेक्ट का भी अवलोकन किया। लगभग सात एकड़ क्षेत्र में विकसित हो रहे इस हरित परिसर को उन्होंने रायगढ़ के पर्यावरणीय भविष्य के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने अधिकारियों को नागरिकों की सुविधा के लिए ऑक्सीजोन में दो प्रवेश द्वार विकसित करने के निर्देश दिए। श्री चौधरी ने कहा कि तेजी से बढ़ते शहरीकरण के दौर में ऐसे हरित क्षेत्रों का विकास समय की आवश्यकता है। यह परियोजना शहरवासियों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने विकास और पर्यावरण संरक्षण दोनों को समान प्राथमिकता दी जा रही है। यही कारण है कि शहर में आधुनिक आधारभूत संरचना के साथ-साथ हरित परियोजनाओं पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इस अवसर पर नगर निगम महापौर जीवर्धन चौहान, कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

इंडो-नेपाल इंटरनेशनल ताइक्वांडो स्पर्धा में खिलाड़ियों का उमदा प्रदर्शन

10 स्वर्ण पदक जीतकर बढ़ाया देश और प्रदेश का मान, वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने दी बधाई

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

नेपाल के पोखरा में आयोजित इंडो-नेपाल इंटरनेशनल ताइक्वांडो चैंपियनशिप में रायगढ़ के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 10 स्वर्ण पदक जीतकर देश और प्रदेश का नाम गौरवान्वित किया है। रायगढ़ किड्स ताइक्वांडो एकेडमी स्पोर्ट्स क्लब के खिलाड़ियों की इस उपलब्धि से पूरे जिले में उत्साह का माहौल है।

इस उपलब्धि के बाद खिलाड़ियों ने आज रायगढ़ स्थित कार्यालय में छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओपी चौधरी से आत्मीय मुलाकात की। इस अवसर पर श्री चौधरी ने सभी खिलाड़ियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि रायगढ़ के खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन कर छत्तीसगढ़ की खेल क्षमता को नई पहचान दिलाई है। उन्होंने कहा कि 10 स्वर्ण पदक जीतना खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत, अनुशासन और समर्पण का परिणाम है।

श्री चौधरी ने कहा कि खेल केवल प्रतियोगिता का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व विकास, आत्मविश्वास और राष्ट्र गौरव का भी सशक्त आधार है। रायगढ़ के इन युवा खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से प्रदेश के अन्य युवाओं को भी खेलों में उत्कृष्टता हासिल करने की प्रेरणा दी है। उन्होंने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि राज्य सरकार खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और उन्हें बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ये खिलाड़ी भविष्य में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और बड़ी उपलब्धियां हासिल कर छत्तीसगढ़ तथा भारत का गौरव बढ़ाते रहेंगे।

गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही के जैविक विष्णुभोग चावल की खुशबू पहुंची राजधानी रायपुर

उप मुख्यमंत्री साव को भेंट किया गया महिला समूहों द्वारा उत्पादित विशेष चावल, ग्रामीण महिलाओं के प्रयासों की सराहना

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले की ग्रामीण महिलाओं द्वारा तैयार किया जा रहा जैविक विष्णुभोग चावल अब राज्य स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान बना रहा है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत महिला स्व-सहायता समूहों की आजीविका गतिविधियों को बढ़ावा देने के प्रयासों के तहत जिला पंचायत उपाध्यक्ष राजा उपेन्द्र बहादुर सिंह ने उप मुख्यमंत्री अरुण साव को जिले का प्रसिद्ध जैविक विष्णुभोग चावल भेंट किया। यह चावल अरपा बिहान महिला स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा जैविक विधि से तैयार किया गया है।

इस अवसर पर उपेन्द्र बहादुर सिंह ने उप मुख्यमंत्री को जिले में महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा संचालित आजीविका संवर्धन गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि स्थानीय स्तर पर पारंपरिक एवं विशिष्ट कृषि उत्पादों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विष्णुभोग धान का जैविक उत्पादन, प्रसंस्करण और विपणन किया जा रहा है। इस पहल से ग्रामीण महिलाओं को रोजगार के नए अवसर मिल रहे हैं और उनकी आय में भी निरंतर वृद्धि हो रही है।

उन्होंने बताया कि महिला समूहों द्वारा तैयार किए जा रहे उत्पाद न केवल गुणवत्ता और शुद्धता के लिए पहचान बना रहे हैं, बल्कि स्थानीय कृषि परंपराओं को भी संरक्षित करने का कार्य कर रहे हैं। जैविक खेती को बढ़ावा देने के साथ-साथ समूहों द्वारा उत्पादों की पैकेजिंग, ब्रांडिंग और विपणन पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जिससे बाजार में उनकी मांग लगातार बढ़ रही है।

उप मुख्यमंत्री ने महिला स्व-सहायता समूहों की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ग्रामीण महिलाओं के ऐसे प्रयास आत्मनिर्भरता और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में प्रेरणादायी उदाहरण हैं। उन्होंने कहा कि महिला समूहों द्वारा तैयार किए जा रहे स्थानीय उत्पाद ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने के साथ-साथ प्रदेश की विशिष्ट कृषि पहचान को भी राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित कर रहे हैं। उन्होंने जिले में संचालित इस अभिनव गतिविधि की प्रशंसा करते हुए महिला स्व-सहायता समूहों और जिला प्रशासन को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ऐसे प्रयासों से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, महिलाओं की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और स्थानीय उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध होगा। गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले में महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा तैयार किया जा रहा जैविक विष्णुभोग चावल आज ग्रामीण उद्यमिता, महिला सशक्तिकरण और स्थानीय कृषि उत्पादों के संवर्धन का सफल उदाहरण बनकर उभर रहा है। यह पहल न केवल महिलाओं की आजीविका को सुदृढ़ कर रही है, बल्कि जिले की विशिष्ट पहचान को भी नई ऊंचाइयों तक पहुंचा रही है।

कैबिनेट मंत्री लखनलाल देवांगन की अनुशंसा पर विभिन्न निर्माण कार्यों के लिए 1 करोड़ 40 लाख रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

कैबिनेट मंत्री लखनलाल देवांगन की अनुशंसा पर कलेक्टर गोपाल वर्मा द्वारा कबीरधाम जिले के अलग-अलग ग्रामों में निर्माण कार्या के लिए 1 करोड़ 40 लाख 63400 रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है। निर्माण कार्य के लिए जनपद पंचायत पंडरिया, मुख्य नगर पालिका अधिकारी कवर्धा और बोड़ला को क्रियान्वयन एजेंसी बनाया गया है।

कैबिनेट मंत्री लखनलाल देवांगन की अनुशंसा पर मंच निर्माण कार्य, पी एम सेजेस बोडला में नगर पंचायत बोडला राशि 6 लाख रूपए, चबूतरा निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 10 में खैरमाता बैगाटोला, बोडला राशि 1.3 लाख रूपए, सामुदायिक भवन निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 10 में राशि 4.88 लाख रूपए, आहाता निर्माण कार्य, वार्ड नंबर 20 नगर पालिका कवर्धा राशि 3.5 लाख रूपए, सामुदायिक भवन का गोदाम निर्माण कार्य, (सेवा सहकारी समिति मर्या. कवर्धा पंजी. क्र. 26 में) कवर्धा राशि 10 लाख रूपए, सी.सी. रोड निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 01 में राजनांदगांव रोड कवर्धा में राशि 5.2 लाख रूपए, सामुदायिक भवन निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 17 में कवर्धा राशि 10 लाख रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति दी है।

इसी तरह सी.सी. रोड निर्माण कार्य, आंगनबाड़ी केन्द्र क्र. 01 से रामाधार रात्रे के घर तक (200 मी.) ग्राम दलपुरवा राशि 9.04 लाख रूपए, सी.सी. रोड निर्माण कार्य, शिव कुमार के घर से झगर यादव के घर तक (200 मी.) ग्राम बोडतराखुर्द राशि 9.039 लाख रूपए, सी.सी. रोड निर्माण कार्य, दिनेश मरावी के घर से फागे सतनामी के घर तक (200 मी.) ग्राम मौहामडवा ग्रा.प.निंगापुर राशि 9.04 लाख रूपए, सी.सी. रोड निर्माण कार्य, तिलक के घर मेनरोड से हर्ष शर्मा के घर की ओर (200 मी.) ग्राम बीजाभाठा ग्रा.प.डबरी राशि 9.04 लाख रूपए, सी.सी. रोड निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 09 में, नारायण के घर से मुक्तिधाम की ओर (180 मी.) ग्राम सेन्हाभाठा राशि 8.14 लाख रूपए, गौठान निर्माण कार्य, बाजार प्रांगण के पास ग्राम जंगलपुर राशि 5.12 लाख रूपए, सी.सी. रोड निर्माण कार्य, मेनरोड से बजरंग बली मंदिर तक (200 मी.) ग्राम फांदातोड़ ग्रा.प.बिटकुलीखुर्द राशि 8.795 लाख रूपए, पेवर ब्लॉक निर्माण कार्य, राधा कृष्ण मंदिर प्रांगण (मेला स्थल) के पास ग्राम सेन्हाभाठा राशि 2.5 लाख रूपए, कांक्रीटीकरण कार्य, निषाद सामाजिक भवन के पास ग्राम मोहगांव राशि 5 लाख रूपए, सी.सी. रोड निर्माण कार्य, मेनरोड से दीपक साहू के घर तक (200 मी.) ग्राम दानीघटोली राशि 9.04 लाख रूपए, सामुदायिक भवन निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 08, विप्र भवन के पास, न.पं. पंडरिया न. राशि 10 सामुदायिक भवन निर्माण कार्य, बस स्टैण्ड के पास, न.पं. पांडातराई न. राशि 15 लाख रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति दी है।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग

-:: ईश्तहार ::-

(रा.प्र.क्र./202605101000128/अ-6.अ/वर्ष 2025-26)

इस न्यायालय का रा.प्र.क्रं. 202605101000128/अ-6 (अ) वर्ष 2025 26 आवेदिका/आवेदक राज साहू पिता रमाशंकर साहू एवं सुजाता साहू पति राज साहू निवासी-वार्ड नं. 12, केतका रोड मानपुर सूरजपुर द्वारा ग्राम कुरूद प.ह.नं. 46, रा.नि.मं. कोहका, तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नं. 898/1 का टु. रकबा 0.010 हे. भूमि विक्रेता उधोराम पिता सुमेर निवासी-भाटापारा कुरूद भिलाई के तरफ से आम मुख्तयार ईतवारी राम देवांगन पिता स्व. फिरंगी देवांगन निवासी-पुरानी बस्ती कुरूद भिलाई से रजिस्टर्ड बैनामा के माध्यम से क्रय किया गया था, नामांतरण पश्चात निर्मित नया खसरा नं. 898/12 रकबा 0.010 हे. ऋण पुस्तिका में आवेदकगण का नाम दर्ज है किन्तु वर्तमान में अभिलेख में आवेदकगण का नाम प्रदर्शित नहीं हो रहा है। जिसे सुधार किये जाने हेतु आवेदनमय दस्तावेज न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतः जिस किसी भी व्यक्ति को उक्त संबंध में आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 24/06/2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 08/06/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

!! न्यायालय तहसीलदार भिलाई नगर तहसील व जिला दुर्ग !!

-:: ईश्तहार ::-

रा.प्र.क्रं. 202606101000131 अ-6-'वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका/क्रेता नूर फतिमा पति एम.डी. निसार निवासी भिलाई द्वारा ग्राम कोहका प.ह.नं. 45 रा.नि.मं. कोहका तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि ख.नं. 1694/1 का टु. रकबा 0.010हे. भूमि को रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर विक्रेता नईमुद्दीन पिता शमसुद्दीन से क्रय किया है कि उक्त आवेदित भूमि को रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर नामांतरण किये जाने के संबंध में आवेदन पत्र मय बैनामा की छायाप्रति इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 06.07.2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 12.06.2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग

-:: ईश्तहार ::-

(रा.प्र.क्रं. / 202605101000003/ब-121/ वर्ष 2025-26)

इस न्यायालय के रा.प्र.क्र. 202605101000003/ब-121/वर्ष 2025-26 आवेदक - बंसल बिल्डकॉन प्रा. समर्थ बंसल पिता अनुप कुमार बंसल एवं अन्य 01 निवासी कोहका द्वारा ग्राम कोहका प.ह.न. 45, रा.नि.म. कोहका तह. व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नं. 825, 826, 828/2, 845, 846, 827/2 रकबा 0.870, 0.500, 0.1200, 1.380, 0.980, 0.500 हे. कुल रकबा 4.35 जो आपस में लगी हुई है को नक्शा एवं खसरा दोनो को संविलयन करने की मांग किया गया है आवेदन पत्र के साथ नक्शा खसरा की प्रति प्रस्तुत किया गया।

अतः उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 30/06/2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 19/06/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग

-:: व्यक्तिगत सूचना ::-

(रा.प्र.क्रं. /...../अ-6/वर्ष 2025-26)

प्रति,
आलोक कुमार लुनिया पिता स्व. जे.के. लुनिया
निवासी - पद्माभपुर दुर्ग
पक्षकार -धीरज कुमार पिता रामाश्रय
निवासी -हाउसिंग बोर्ड, भिलाई

विरूद्ध

अनावेदक-छ.ग. शासन

आपको सूचित किया जाता है इस न्यायालय का रा.प्र.क्रं. ...../अ-6/ वर्ष 2025 26 आवेदिका धीरज कुमार पिता रामाश्रय निवासी-हाउसिंग बोर्ड भिलाई द्वारा ग्राम कुरूद प.ह.नं. 46 रा.नि.मं. कोहका तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नं. 1383/1 रकबा 0.0220 हे. भूमि को रजिस्ट्री बैनामा के माध्यम से दिनांक 09.10.2020 को विक्रेता आलोक कुमार लुनिया पिता स्व. जे. के. लुनिया से कय किया गया था। जिसके रजिस्ट्री बैनामा के आधार पर नामांतरण किये जाने बाबत् आवेदन पत्र मय बैनांमा की छाया प्रति प्रस्तुत किया गया है।

अतः उपरोक्त भूमि के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 23/06/2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज 16/06/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

हेल्दी रहने के लिए ट्राय करें दादी मां के ये खास नुस्खे

इस समय दुनिया कोरोना की चपेट में है,और बीते वर्ष ने लोगों को स्वस्थ रहने की महत्ता को समझाया है। पहले से कहीं ज़्यादा अब लोगों ने अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देने की ठानी है। Health is wealth and healthy body in a healthy mind ऐसी कई कहावतें हम बचपन से सुनते आ रहे हैं लेकिन बड़ा सवाल यह है कि अपनी रोज़मर्रा की ज़िंदगी में हम इस बात को कितना फॉलो करते हैं।

हमारी दादी-नानी हर सुबह जल्दी उठकर, घर में बना फ्रेश खाना खाकर और कुछ घरेलू टिप्स अपनाकर एक्टिव और हेल्दी रहते थे। आज की डिजिटल युग में कहीं ना कहीं उन बातों को हम इग्नोर कर देते हैं। ऐसे में हमने सोचा कि क्यों ना आपको दादी-नानी वाले नुस्खे एक बार फिर याद दिलाये जाएंज़्.हमने बात की डाइटिशियन शेरिल सेलिस से जिन्होंने हमें बताए कुछ नुस्खे जिससे आपका इम्यून सिस्टम रहेगा फिट और आपकी हेल्थ हो जाएगी हिट! तो आइये थोड़ा सा खुद को रिवाइंड करते हैं और याद करते हैं वा नुस्खे जो हमारी दादी-नानी अक्सर इस्तेमाल किया करती थीं।

आंच्छ्ंीींीी!!! अरे बहू, इसे हल्दी वाला दूध दे देज़्.कुछ याद आया? मौसम बदला नहीं और आपकी एक छींक पर बचपन मे दादी की इस बात में छिपी उनकी फिक्र शायद ही भूले होंगे आप। दादी से हेल्दी के कई गुणगान सुने होंगे आपने। हमारे शरीर की इम्युनिटी बढ़ाने वाली हल्दी ना सिर्फ संक्रामक बीमारियों से हमारा बचाव करती है बल्कि यह शरीर में खून बढ़ाने में मदद करती है। हल्दी की तासीर गर्म होती है और यही वजह है कि जुकाम में इसका सेवन करना काफी फायदेमंद है। पीलिया, बवासीर, कुष्ठ रोग, डायबिटीज और सूजन में भी लाभदायक है हल्दी। इतना ही नहीं चोट लगने पर हल्दी का लेप भी शायद याद होगा आपको। और हल्दी फेस पैक.. उसे तो नजरअंदाज किया ही नहीं जा सकता। मुंहासों से छुटकारा दिलाने में और त्वचा के रोगों को दूर रखने में बहुत उपयोगी है हल्दी।

हरे लहसुन के हैं बड़े फायदे

हरा लहसुन खांसी और सर्दी में बड़ा ही लाभकारी है। इसके इस्तेमाल से बहुत जल्द जुकाम और खांसी से राहत मिलती है। हरे लहसुन में एलिसिन नामक यौगिक पाया जाता है जो बैड कोलेस्ट्रॉल से छुटकारा दिलाने में कारगर है। बैड कोलेस्ट्रॉल कम होगा तो हृदय स्वास्थ्य में सुधार भी लाज़मी है। हरे लहसुन को अपनी डाइट में शामिल करने से रक्त के थक्के जमने में कमी आती है। इतना ही नहीं उच्च रक्तचाप के रोगियों के लिए यह एक अच्छा विकल्प है। डायबिटीज के मरीज़ अगर हरे लहसुन को अपने आहार में शामिल करेंगे तो यह ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में भी मददगार है।

नींबू है कमाल का

औषधीय गुणों से भरपूर। इसमें है विटामिन सी का भंडार जिससे प्रतिरोधात्मक शक्ति बढ़ती है। दादी नानी तो नींबू का रस निकालने के बाद उसके छिलकों को धूप में सुखाकर इस मंजन को दांत साफ करने में इस्तेमाल करती थी। आप भी यह कर सकते हैं। घर का बना यह मंजन केमिकल फ्री है और हेल्दी भी। रोज सुबह उठकर एक गिलास गुनगुने पानी में एक नींबू के का सेवन मोटापा दूर करने में बड़ा कारगर है। आजकल मार्केट में बर्तन, सजावटी सामान चमकाने के कई केमिकल मौजूद हैं लेकिन आप चाहें तो नींबू को रगड़ कर घर के बर्तन और सजावटी सामान की खोई हुई चमक वापस ला सकते हैं, वो भी बिल्कुल आॅर्गेनिक तरीके से! एक बार करके तो देखिये, हमारा दावा है आप निराश नहीं होंगी।

वर्जिन कोकोनट ऑयल का नहीं कोई सानी

बालों में चमक और अच्छी त्वचा के लिए तो वर्जिन कोकोनट ऑयल का कोई सानी नहीं है। बचपन में आपकी दादी-नानी ने सिर की जड़ों में रक्त का प्रवाह तेज़ करने के लिए खूब मालिश की होगी और अपने लंबे -घने बालों की खूबसूरती का राज़ भी दादी की वो वो चंपी ही। त्वचा के लिए भी यह एक नेचुरल स्किन मॉइश्चराइज़र है। स्वास्थ्य की दृष्टि से भी यह काफी लाभदायक है.नारियल तेल में मौजूद मीडियम चेन ट्राइग्लिसराइड्स (एमसीटी) इम्यून सिस्टम को बेहतर बनाते हैं और शरीर में वजन को नियंत्रित करने में भी अहम भूमिका निभाते हैं।

सुबह की धूप है फायदेमंद

हमने हमेशा बड़े बुजुर्गों से सुबह की धूप के महत्व के बारे में सुना है लेकिन कहीं ना कहीं ज़िन्दगी की भागदौड़ में हम ये फॉलो करना भूल जाते हैं। सुबह की धूप का हमारी सेहत के लिए खासा महत्व है। सूरज की रोशनी में होते हैं चमत्कारी गुण जिससे शरीर पर विभिन्न प्रकार के रोगों और इंफेक्शन के असर की आशंका कम हो जाती है। सूरज की किरणों में एंटी कैंसर तत्व होने से कैंसर का खतरा टलता है। रक्त संचरण सुधरता है। ब्लड सर्कुलेशन और हाजमे तो ठीक रहता ही है साथ में डिप्रेशन भी दूर होता है। धूप से सेरोटोनिन व एंडोर्फिन की उचित मात्रा बनती है और हार्मोन हैप्पीनेस पैदा होते हैं और मानसिक स्थिति ठीक रहती है।

आंवला है गुणों की खान

धात्रीफल कहे जाने वाला आंवला गुणों की खान है और वैदिक काल से ही इसका प्रयोग औषधि के रूप में किया जाता रहा है। आंवला को रसायन द्रव्यों में सबसे अच्छा माना जाता है। चरक संहिता में आंवले के कई उपयोग बताये गए हैं जैसे, बुखार में, खांसी-जुकाम में और कुष्ठ रोग का नाश करने में भी। सुश्रुत संहिता में आंवला के औषधीय गुणों का ज़िक्र है। जिसमे आंवला को ऐसी औषधि बताया गया है, जो शरीर की गंदगी को मल के रूप में बाहर निकालने में मदद करता है। इससे समझा जा सकता है कि हमारी दादा-नानियों की बातों में आंवले का ज़िक्र इतना क्यों होता था।

नीम की दातुन

भले ही बाज़ार नए,टेस्टी और आकर्षक पैकिंग वाले टूथपेस्ट से भरा हो लेकिन नीम के दातुन को हमारे बुजुर्ग आज भी इस्तेमाल में लाते हैं और शायद यही वजह है कि डेंटिस्ट के यहां वेटिंग एरिया में आपको आज की जनरेशन वाले ज्यादा लोग नज़र आएँगे। नियमित रूप से नीम के दातुन से दांतों साफ करने से कभी भी कीड़े की समस्या नहीं होगी। साथ ही मुंह में बदबू और सड़न से भी राहत मिलती है। नीम के दातुन में होते हैं एन्टी-माइक्रोबियल गुण जिनसे मुंह के छाले भी जल्द ठीक हो सकते हैं। इतना ही नहीं दातुन को चबाने से आपके चेहरे को मिलता है एक सटीक व्यायाम भी।

घने, काले और मज़बूत बालों के लिए ट्राय करें ये कारगर नुस्खे

ब्यूटी ट्रेंड्स तो आते-जाते रहते हैं, मगर दादीमां के नुस्खे तो एवरग्रीन हैं। स्किनकेयर हो या हेयरकेयर दादीमां के पास हर प्रॉब्लम का उपाय होता है। हमारी दादियां और नानियां किसी जादू के पिटारे से कम नहीं हैं, जो अपने अंदर सालों का एक्सपीरियंस और सैकड़ों प्रॉब्लम्स का सॉल्यूशन लिए घूम रही हैं।

छोटी-मोटी चोट, दर्द और सेहत से जुड़ी प्रॉब्लम्स के भी उनके पास कई देसी नुस्खे होते हैं, जो काफी असरदार होते हैं। हम सभी की दादी और नानी में एक बात कॉमन है और वो कि इन सभी की स्किन और बाल हमारे मुकाबले बहुत अच्छे हैं। इसकी वजह है इनका फस-फ्री लाइफस्टाइल, एक बेहद सिंपल लेकिन असरदार स्किनकेयर और हेयरकेयर रूटीन, केमिकल प्रोडक्ट्स की जगह नैचुरल इंग्रीडिएंट्स का इस्तेमाल।

अगर आप गौर करेंगी तो पाएंगी कि आपकी दादी और नानी के बालों की क्वॉलिटी, टेक्स्चर और ग्रोथ इस उम्र में भी हम लोगों से बेहतर है। इसके अलावा उनके सफेद बाल भी काफी बाद में आने शुरू हुए हैं, जबकि हम में से कई लोग अभी से इस प्रॉब्लम से जूझ रहे हैं।

हम आपको इससे पहले बता चुके हैं दादी मां के कुछ कमाल के स्किनकेयर टिप्स जिनकी मदद से कई स्किन प्रॉब्लम्स से छुटकारा पाया जा सकता है। उसी तरह हम यहां शेयर कर रहे हैं दादियों और नानियों के कुछ हेयरकेयर टिप्स जिन्हें वो सालों से फॉलो कर और उनका लाभ भी उठा रही हैं।

आप कभी भी अपनी दादी या नानी के पास जाएं, वो हमेशा आपकी चंपी करने को तैयार बैठी रहती हैं। इसके पीछे वजह है कि उन्हें पता है कि सिर की चंपी करना बालों के लिए कितना फायदेमंद है। यही वजह है कि उनके बालों की क्वॉलिटी आज भी आपके बालों से बेहतर है। बालों को नियमित तौर पर मॉइश्चर मिलता रहे, इसके लिए ऑयलिंग और सिर की चंपी या मसाज करना बहुत ही ज़रूरी है। बालों की अलग-अलग प्रॉब्लम्स के लिए अलग-अलग तेल हैं। इनमें से अपने बालों के हिसाब से तेल चुनकर हफ्ते में एक बार सिर की अच्छे से चंपी करना बालों की सेहत और हेल्दी स्कैल्प के लिए बहुत ज़रूरी है। चंपी करने से स्कैल्प में ब्लड सर्कुलेशन अच्छा होता है, स्कैल्प मसल्स रिलैक्स होती हैं और साथ ही स्कैल्प मॉइश्चराइज़ होती है। इस तरह बालों की ग्रोथ भी बेहतर होती है।

अगर आपने गौर किया हो तो आपको याद आएगा कि आपकी दादी और नानी नियमित रूप से यानि की रोज़ सुबह और शाम को अपने बालों को सुलझाकर, अच्छे से कंघी करके चोटी बांधा करती थीं। उनका ये रूटीन बहुत बड़ी वजह है उनके हेल्दी, मज़बूत और घने बालों का। हम में से ज़्यादातर लोग बिज़ी लाइफस्टाइल का हवाला देते हुए अक्सर अपने बालों को कंघी करना स्किप कर देते हैं।

बच्चे को बनाना चाहते हैं सोशल तो पेरेंट्स करें ये 5 जरूरी काम

आज के दौर में बच्चे का सोशल डेवलपमेंट उतना ही महत्वपूर्ण है जितना की उनकी एजुकेशन। सोशल स्किल्?स बच्चे को दोस्त बनाने, झगड़ों को सुलझाने और सहयोग करने में मदद करती हैं। ये स्किल उनके व्यक्तित्व को निखारती हैं और उन्हें आगे बढ़ने में मदद करती हैं। हालांकि, हर बच्चा सामाजिक माहौल में आसानी से घुल-मिल नहीं पाता। कुछ बच्चे शर्मीले होते हैं, तो कुछ को सामाजिक परिस्थितियों से डर लगता है। पेरेंट्स के तौर पर आप अपने बच्चे को सामाजिक रूप से सक्षम और आत्मविश्वास से भरा बनाने के लिए कुछ आसान लेकिन प्रभावी कदम उठा सकते हैं। तो चलिए जानते हैं पेरेंट्स बच्चे में सोशल सकिल्स को कैसे डेवलप कर सकते हैं।

सोशल स्किल वे बुनियादी क्षमताएं हैं, जो बच्चे को दूसरों से जोड़ने, संवाद करने और सामाजिक माहौल में सफल होने में मदद करती हैं। इसमें सुनना, सहानुभूति, बातचीत और टीम में काम करना जैसे गुण शामिल हैं। ये स्किल न केवल स्कूल और दोस्ती के लिए जरूरी हैं, बल्कि भविष्य में कार्यस्थल और दीर्घकालिक रिश्तों के लिए भी महत्वपूर्ण हैं। स्टडी के अनुसार सोशल स्किल वाले बच्चे बेहतर ग्रेड प्राप्त करते हैं, उनमें आत्मसम्मान अधिक होता है और व्यवहार संबंधी समस्याएं कम होती हैं। इसके अलावा, ये कौशल मानसिक स्वास्थ्य और भावनात्मक कल्याण के लिए भी महत्वपूर्ण हैं।

बच्चे में सोशल स्किल का विकास

बच्चे के सोशल स्किल्स उनके विकास के विभिन्न चरणों में बदलते रहते हैं। छोटी उम्र में बच्चे बुनियादी कौशलों जैसे बांटना, अपनी बारी आने का इंतजार करना और भावनाओं को व्यक्त करना सीखते हैं। जैसे-जैसे वे बड़े होते हैं, उनके रिश्ते अधिक जटिल हो जाते हैं। माता-पिता के लिए यह समझना जरूरी है कि प्रत्येक उम्र में बच्चे को अलग-अलग सामाजिक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

बच्चे सामाजिक मेलजोल से क्यों बचते हैं

कुछ बच्चे स्वाभाविक रूप से शर्मीले होते हैं और अकेले समय बिताना पसंद करते हैं। यह उनकी व्यक्तित्व की विशेषता हो सकती है और जरूरी नहीं कि यह कोई समस्या हो। हालांकि, कुछ बच्चे सामाजिक परिस्थितियों से इसलिए बचते हैं क्योंकि उन्हें अस्वीकृति का डर होता है। उदाहरण के लिए, अगर किसी बच्चे को खेल में शामिल नहीं किया गया या उसे समूह में अजीब महसूस हुआ, तो वह दोबारा कोशिश करने से हिचक सकता है। इसके अलावा, जिन बच्चों को सामाजिक माहौल में ज्यादा समय बिताने का अवसर नहीं मिलता, उनके लिए भीड़भाड़ वाले स्थान डरावने हो सकते हैं।

माता-पिता का अपने बच्चे के साथ व्यवहार उनके सोशल स्किल को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जब आप अपने बच्चे के साथ खेलते हैं, बात करते हैं या उनकी भावनाओं का जवाब देते हैं, तो आप उन्हें सामाजिक संकेतों और भावनाओं को समझने में मदद करते हैं। छोटी उम्र में बच्चे दूसरों के साथ खेलने के बजाय उनके साथ खेलता पसंद करते हैं। इसलिए पेरेंट्स की बच्चे से पहले दोस्त और सामाजिक व्यक्ति होते हैं, जिनसे वह सीखता है।

सुरक्षित और प्रेमपूर्ण माहौल बनाएं- बच्चे को घर में सुरक्षित और फ्री महसूस होना चाहिए। उनकी भावनाओं को बिना आलोचना सुना जाए, ताकि वे सामाजिक परिस्थितियों के बारे में खुलकर बात कर सकें।

छोटे-छोटे कदम उठाएं- बड़े समूह डरावने हो सकते हैं। एक-दो बच्चों के साथ छोटे प्लेडेट्स की शुरुआत करें, जो आपके बच्चे के लिए परिचित और आरामदायक हों।

घर पर सामाजिक परिस्थितियों का अभ्यास करें- रोल-प्ले के जरिए बच्चे को सामाजिक परिस्थितियों के लिए तैयार करें। उदाहरण के लिए, आप किसी अन्य बच्चे की भूमिका निभाकर उन्हें खुद को पेश करना या खेल में शामिल होने का तरीका सिखा सकते हैं।

हर प्रयास की सराहना करें- चाहे बच्चा छोटा ही कदम क्यों न उठाए, उसकी तारीफ करें। सकारात्मक प्रोत्साहन उनके आत्मविश्वास को बढ़ाता है।

क्या हार्ट के मरीज चिकन खा सकते हैं?

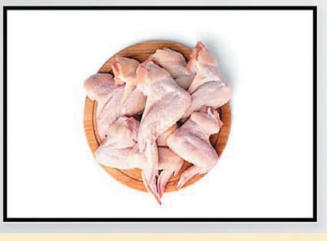

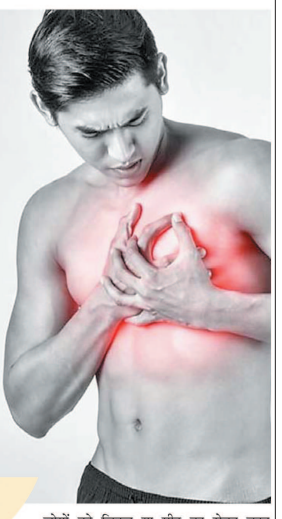

हार्ट के मरीजों को खानपान और जीवनशैली का विशेष ध्यान रखना चाहिए। इस बीमारी में खानपान में गड़बड़ी जानलेवा हो सकती है। आज के समय में चिकन के सेवन का चलन तेजी से बढ़ा है।

खानपान से जुड़ी गड़बड़ी के कारण हार्ट की बीमारी का खतरा बढ़ जाता है। आज के समय में युवा और बुजुर्ग सभी में हार्ट डिजीज का खतरा कई गुना बढ़ गया है। हार्ट के मरीजों को भी डॉक्टर खानपान और लाइफस्टाइल का विशेष ध्यान रखने की सलाह देते हैं। हार्ट के मरीजों को बहुत ज्यादा तला-भुना और मसालेदार खाना नहीं खाना चाहिए। हार्ट की बीमारियों में मरीज अक्सर खानपान को लेकर कन्फ्यूज रहते हैं। खानपान में गड़बड़ी की वजह से शरीर में कोलेस्ट्रॉल बढ़ जाता है और धमनियों में ब्लॉकेज हो जाती है। धमनियों में ब्लॉकेज के कारण हार्ट अटैक और कार्डियक अरेस्ट जैसी परेशानियों का खतरा भी बढ़ जाता है।

हार्ट के मरीज चिकन खाने को लेकर अक्सर कन्फ्यूजन में रहते हैं। आइए इस लेख में विस्तार से जानते हैं, हार्ट के मरीजों को चिकन खाना चाहिए या नहीं और इके फायदे व नुकसान।

हार्ट के मरीजों को चिकन खाना चाहिए या नहीं?-

हार्ट के मरीजों को खानपान और जीवनशैली का विशेष ध्यान रखना चाहिए। इस बीमारी में खानपान में गड़बड़ी जानलेवा हो सकती है। आज के समय में चिकन के सेवन का चलन तेजी से बढ़ा है। स्वाद के अलावा इसका सेवन करने से शरीर को प्रोटीन समेत कई जरूरी पोषक तत्वों की आपूर्ति भी होती है, लेकिन कुछ स्थितियों में चिकन खाना नुकसानदायक भी हो सकता है। आरोग्यं हेल्थ सेंटर के क्लीनिकल डाइटिशियन डॉ वीडी त्रिपाठी कहते हैं, फ्हार्ट की बीमारी से ग्रसित लोगों को चिकन या मीट का सेवन बहुत संभलकर करना चाहिए। हार्ट के मरीज संतुलित मात्रा में उबला चिकन या कम मसाले और तेल में बना चिकन खा सकते हैं। लेकिन ध्यान रहे बिना चर्बी वाला और संतुलित मात्रा में ही चिकन का सेवन इस स्थिति में फायदेमंद होता है।

हार्ट के मरीजों को लाल मांस और प्रोसेस्ड मीट का सेवन करने से बचना चाहिए। इसके अलावा बहुत ज्यादा चर्बी या फैट वाला चिकन खाने से भी हार्ट के मरीजों की परेशानियां बढ़ सकती हैं। इस बीमारी में मरीजों को किसी भी तरह के मांसाहारी चीजों को खाने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लेनी चाहिए।

हार्ट डिजीज के खतरे को कम करने के लिए हरी सब्जियों का सेवन करना चाहिए। सब्जियों में विटामिन के की प्रचुर मात्रा होती है, नियमित रूप से इसका सेवन करने से आर्टरीज को प्रोटेक्ट करने में मदद मिलती है। इसके अलावा इन सब्जियों में एंटी-ऑक्सीडेंट और डायरेक्टरी नाइट्रेट पाया जाता है। इनका नियमित रूप से सेवन करने से हार्ट अटैक के खतरे को कम करने में मदद मिलती है।

संपादकीय

राहुल गांधी के गुटबाजी से दूर रहो का मतलब

कांग्रेस की अपनी लोकतांत्रिक परंपरा है ।वह अपनी लोकतात्रिक परंपरा को बनाए रखती है । वह कभी भूलती नहीं है कि उसके कारण देश में लोकतंत्र है और लोकतंत्र की रक्षा करना उसका प्रथम दायित्व है ।लोकतंत्र किसी देश में जिंदा रहता है जब उसमें बहुत सारे दल होते हैं, बहुत सारे दलों के बहुत सारे नेता होते हैं । हर दल में बहुत सारे बड़े नेता होते हैं । हर बड़े नेता का अपना गुट होता है ।हर कार्यकर्ता को किसी गुट में शामिल होने का अधिकार होता है ।हर जिला अध्यक्ष से लेकर प्रदेश अध्यक्ष तक किसी नेता के गुट का होता है । इसके बाद दिल्ली में कांग्रेस के बड़े नेताओं का अपना गुट होता है । कांग्रेस में गुटबाजी न हो ऐसा कभी हुआ नहीं है और ऐसा कभी हो नहीं सकता है । कांग्रेस के कई बड़े नेता तो कई बार कह चुके हैं कि गुटबाजी कांग्रेस की कमजोरी नहीं है,खामी नहीं है वह तो कांग्रेस की ताकत है, वह तो कांग्रेस का विशेषता है, उससे कांग्रेस में प्रतिस्पर्धा बनी रहती है,पार्टी में उत्साह बना रहता है । गुटबाजी से ही लगता है कि कांग्रेस लोकतांत्रिक पार्टी है, जिसमें हर नेता व कार्यकर्ता को बोलने का अधिकार है । अभिव्यक्ति की आजादी है । कांग्रेस एक जिंदा राजनीतिक दल है ।

राहुल गांधी कांग्रेस के सबसे बड़े नेता है,वह जिला अध्यक्षों को प्रशिक्षण देने आए थे और जिला अध्यक्षों बहुत कुछ कह कर गए हैं । वह कह गए हैं कि जिला अध्यक्ष व्यक्ति पूजा न करें, गुटबाजी से दूर रहें,नेताओं के लिए कम सोचें और कार्यकर्ताओं के लिए ज्यादा सोचे, लो प्रोफाइल रहें,बिना डरे काम करे, जनता के बीच जाएं,उनके मुद्दों को बेबाकी से उठाएं,सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ जनता को लेकर आंदोलन प्रदर्शन करें,जनता के बीच जाकर उनके दर्द पीड़ा को समझें,उनकी आवाज बनें,सरकार की नीतियां कमजोर व गरीबों का हक छीनकर पूंजीपतियों की तिजोरी भरने की है ऐसी नीतियों को खुलकर विरोध करें, साथ ही उन्होंने आगाह भी किया है कि हर जिला अध्यक्ष की एक एक गतिविधि की अब डिजिटली मानिटरिंग होगी,जिनका परफारमेंस अच्छा होगा,उन्हें पार्टी और बडी.जिम्मेदारी देने पर विचार करेगी। मिशन-28 के लिए हर कार्यकर्ता को एकजुट करना है । इसमें जिला अध्यक्षों की अहम भूमिका होगी।

राहुल गांधी की बहुत सारी बातें तो जिला अध्यक्षों का समझ आ गई होगी लेकिन एक बात यह समझ नहीं आई होगी कि पार्टी हित में गुटबाजी से दूर रहें । जिलों के सभी वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं की बात सुनें लेकिन अंतिम निर्णय लेते समय पार्टी हित और संगठन की मजबूती को प्राथमिकता दें ।यह सच है कि कांग्रेस में इस बार जिला अध्यक्षों की नियुक्ति केंद्र के स्तर पर हुई है लेकिन यह भी सच है कि उनकी नियुक्ति में राज्य के तमाम बड़े नेताओ से राय भी ली गई है यानी जिला अध्यक्ष किसी न किसी बड़े नेता के गुट का है । एक बड़े नेता का जितने जिलों में प्रभाव है, उसकी पसंद के उतने ही जिला अध्यक्ष बनाए गए हैं । जिस नेता ने जितने जिला अध्यक्ष बनवाए हैं,जिला अध्यक्ष तो उनका कहना मानेंगे । उनके कहे अ ?सार काम करेंगे । ऐसा नहीं करेंगे तो वह जानते हैं कि किसी भी कारण से उनको पद से हटा दिया जाएगा और दूसरे को अध्यक्ष बना दिया जाएगा । इसलिए कांग्रेस के जिला अध्यक्ष और सब कुछ तो बढिया कर सकते हैं लेकिन गुटबाजी से दूर नहीं रह सकते क्योंकि किसी गुट का होने के कारण ही उनको जिला अध्यक्ष बनाया गया है ।वह जो कुछ भी करेंगे, कहेंगे वह गुट के नेता के अनुसार ही होगा । अब तक तो ऐसा ही होता आया है ।

राज्य में तो जिला अध्यक्षों की छोड़ दें यहां तो प्रदेश अध्यक्ष के लिए भी गुटबाजी होती है । कुछ गुट चाहते हैं कि यहां कांग्रेस पिछला चुनाव हार गई है इसलिए प्रदेश अध्यक्ष को बदला जाना चाहिए । प्रदेश अध्यक्ष चुनाव हारने के लिए खुद को अकेले दोषी नही मानते हैं। उनका कहना है कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की हार सामूहिक जिम्मेदारी है, मेरे अकेले की नहीं है । वह तो चाहते हैं कि उनको न हटाया जाए और अच्छा काम कर रहे हैं इसलिए आगे काम करने दिया जाए यानी प्रदेश अध्यक्ष को न बदला जाए ।टीएस सिंहदेव का कहना है कि यदि प्रदेश अध्यक्ष बदला जाता है तो वह प्रदेश अध्यक्ष बनना चाहते हैं। भूपेश बघेल चाहते हैं कि हमेशा की तरह प्रदेश अध्यक्ष उनकी पसंद का होना चाहिए । राहुल गांधी छत्तीसगढ़ आकर यहां के कांग्रेस के काम को देखकर जा रहे हैं । वह क्या करते हैं आने वाले दिनों में इसका खुलासा होगा कि यहां संगठन में क्या बदलाव होते हैं ।

प्रदेश की राजनीति में छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद और उसके पहले से कांग्रेस में कई गुट रहे हैं। छत्तीसगढ़ बनने के बाद अजीतजोगी, वीसी शुक्ल,अर्जुन सिंह गुट रहे हैं। वर्तमान में भूपेश बघेल गुट,चरणदास महंत गुट,टीएस सिंहदेव गुट मुख्य गुट हैं । कांग्रेस के यहां 15 साल बाद चुनाव जीतने के बाद भूपेश बघेल की सरकार बनने के बाद भूपेश बघेल ही कांग्रेस के सबसे प्रभावी नेता रहे है इसलिए उनके गुट का प्रभाव यहां सबसे ज्यादा माना जाता है । अब तक तो सत्ता हो या संगठन हो वह जैसा चाहते हैं वैसा होता रहा है । चुनाव हारने के बाद भूपेश बघेल का राजनीतिक कद भले ही छोटा हुआ हो लेकिन दिल्ली में पहुंच के चलते आज भी वह सबसे बड़े नेता माने जाते हैं । राहुल गांधी के आकर जाने के बाद यदि प्रदेश कांग्रेस में कुछ अहम बदलाव होते हैं तो उससे पता चलेगा किसका प्रभाव कम हुआ है और किसका बढ़ा है । जहां तक राहुल गांधी के गुटबाजी से दूर रहने की बात का सवाल है तो उसका मतलब बस इतना होगा कि गुटबाजी हो लेकिन उससे कांग्रेस को नुकसान न हो ।

आखिरी आदमी की सांसों में बसा कर्मयोद्धा नेता

ललित गर्ग

भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में कुछ व्यक्तित्व केवल राजनीतिक नेतृत्व तक सीमित नहीं रहते, वे एक युग का निर्माण करते हैं । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नेतृत्व ऐसा ही एक युगबोध बनकर उभरा है । जून 2026 में उन्होंने स्वतंत्र भारत के इतिहास में लगातार सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री रहने का नया कीतिर्मान स्थापित किया । यह उपलब्धि केवल दिनों की संख्या का रिकॉर्ड नहीं है, बल्कि उस विश्वास, जनसमर्थन और विकास-यात्रा का प्रतीक है, जिसने भारत की राजनीति, अर्थव्यवस्था, शासन-प्रणाली और वैश्विक छवि को नई दिशा दी है । लोकतंत्र में किसी नेता की वास्तविक सफलता उसके पद की अवधि से नहीं, बल्कि उसके कार्यों के प्रभाव से मापी जाती है । यदि शासन की कसौटी अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना है, तो मोदी युग का सबसे बड़ा योगदान यही है कि उसने विकास को सरकारी फाइलों और घोषणाओं से निकालकर सामान्य नागरिक के जीवन तक पहुंचाया है । यह वही अवधारणा है जिसे पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने ह्यअंत्योदयह्ण कहा था-समाज के अंतिम व्यक्ति का उदय ।

स्वतंत्रता के बाद भारत ने लंबी विकास यात्रा तय की है । जवाहरलाल नेहरू ने नवस्वतंत्र भारत की संस्थागत नींव रखी। लोकतंत्र, वैज्ञानिक चिंतन, सार्वजनिक संस्थानों, शिक्षा, अनुसंधान तथा औद्योगिक विकास की आधारशिला उन्हीं के समय में रखी गई । किंतु समय के साथ यह भी स्पष्ट हुआ कि योजनाएं बनाना और उनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना दो अलग-अलग चुनौतियां हैं। दशकों तक सरकारी योजनाओं और लाभार्थियों के बीच बिचौलियों की एक लंबी श्रृंखला खड़ी रही, जिसके कारण विकास का बड़ा हिस्सा रास्ते में ही समाप्त हो जाता था । वर्ष 2014 में जब नरेंद्र मोदी ने देश की बागडोर संभाली, तब भारत अनेक चुनौतियों से जूझ रहा था। आर्थिक सुस्ती, भ्रष्टाचार के आरोप, अधूरी परियोजनाएं, प्रशासनिक जड़ता और जनता में घटता विश्वास प्रमुख चिंताएं थीं। ऐसे समय में उन्होंने शासन की परंपरागत शैली को बदलते हुए तकनीक, पारदर्शिता और जवाबदेही को केंद्र में रखा। यह परिवर्तन केवल नीतियों का नहीं, बल्कि शासन के दर्शन का परिवर्तन था ।

मोदी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धियों में प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) प्रणाली का विस्तार है । जनधन खाते, आधार और मोबाइल तकनीक को जोड़कर एक ऐसी व्यवस्था विकसित की गई, जिसने सरकारी सहायता को सीधे लाभार्थियों तक पहुंचाना संभव बनाया। इससे न केवल भ्रष्टाचार और रिसाव में कमी आई, बल्कि करोड़ों लोगों को पहली बार यह अनुभव हुआ कि सरकार वास्तव में उनके द्वार तक पहुंच सकती है । गरीब, किसान, महिला, छात्र, वृद्ध और श्रमिक-सभी वर्गों को इसका लाभ मिला । वित्तीय समावेशन की दिशा में जनधन योजना ने ऐतिहासिक भूमिका निभाई । जिन परिवारों के पास कभी बैंक खाता नहीं था, वे औपचारिक बैंकिंग प्रणाली का हिस्सा बने । यह केवल बैंक खाते खोलने की योजना नहीं थी, बल्कि आर्थिक सशक्तीकरण का एक नया अध्याय था । इसी प्रकार उज्ज्वला योजना ने करोड़ों महिलाओं को धुएं से भरे रसोईघरों से मुक्ति दिलाई । स्वच्छ ईंधन ने उनके स्वास्थ्य, सम्मान और जीवन की गुणवत्ता में सकारात्मक परिवर्तन किया ।

मोदी युग की एक बड़ी पहचान आधारभूत संरचना का अभूतपूर्व विस्तार भी है । सड़कों, एक्सप्रेस-वे, रेलवे, मेट्रो, हवाई अड्डों, बंदरगाहों और डिजिटल नेटवर्क के क्षेत्र में जिस गति से कार्य हुआ, उसने विकास को नए पंख दिए । आज छोटे शहर भी हवाई संपर्क से जुड़ रहे हैं । गांवों तक सड़कें पहुंच रही हैं । रेलवे का तीव्र आधुनिकीकरण हो रहा है। वंदे भारत जैसी आधुनिक ट्रेनें भारत की तकनीकी क्षमता और आत्मविश्वास का प्रतीक बन गई हैं । आवास योजना के माध्यम से करोड़ों गरीब परिवारों को पक्के घर उपलब्ध कराए गए । जिन लोगों ने वर्षों तक कच्ची झोपड़ियों में जीवन बिताया, उनके लिए अपना घर केवल एक भवन नहीं, बल्कि सम्मान और सुरक्षा का प्रतीक है । इसी प्रकार जल जीवन मिशन ने करोड़ों घरों तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने का कार्य किया । शौचालय निर्माण अभियान ने स्वच्छता को जनांदोलन का रूप दिया । ये परिवर्तन केवल आंकड़ों में नहीं, बल्कि जीवन स्तर में दिखाई देते हैं ।

कृषि क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिले हैं । इथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम ने किसानों के लिए आय के नए अवसर खोले हैं । किसान केवल अन्नदाता ही नहीं, बल्कि ऊर्जादाता के रूप में भी उभर रहे हैं । जैव ईंधन, प्राकृतिक खेती, कृषि अवसंरचना और तकनीकी नवाचारों के माध्यम से कृषि को अधिक लाभकारी बनाने के प्रयास किए गए हैं । इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा मिली है। डिजिटल इंडिया अभियान ने भारत को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाई है। आज भारत का डिजिटल भुगतान मॉडल दुनिया के लिए अध्ययन का विषय बन गया है। यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) ने आर्थिक लेन-देन को सरल, तेज और पारदर्शी बनाया है । डिजिटल तकनीक का उपयोग केवल सुविधा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह सुशासन का महत्वपूर्ण माध्यम बन गया है । शिक्षा, स्वास्थ्य, बैंकिंग, व्यापार और प्रशासन-हर क्षेत्र में डिजिटल क्रांति का प्रभाव दिखाई देता है ।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारत की प्रतिष्ठा में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। आज भारत केवल एक विकासशील राष्ट्र के रूप में नहीं, बल्कि वैश्विक नेतृत्व की क्षमता वाले देश के रूप में देखा जा रहा है। जी-20 की सफल अध्यक्षता, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रभावशाली उपस्थिति, वैश्विक संकटों में संतुलित भूमिका और विकासशील देशों की आवाज बनने का प्रयास भारत की बढ़ती शक्ति को दर्शाता है । इनदिनों के जी-7 शिखर सम्मेलन में सदस्य न होने पर भी मोदी का दबदबा होना- विदेश नीति में आत्मविश्वास और संतुलन के नये स्वर दशाता है । मोदी युग की एक विशेषता यह भी है कि उसने राष्ट्रवाद को विकास से जोड़ा है । आत्मनिर्भर भारत का संकल्प केवल आर्थिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आत्मविश्वास का अभियान है । रक्षा उत्पादन, अंतरिक्ष अनुसंधान, स्टार्टअप संस्कृति, नवाचार और विनिर्माण क्षेत्र में बढ़ती गतिविधियां इसी सोच का परिणाम हैं। भारत अब केवल उपभोक्ता नहीं, बल्कि निर्माता और नवप्रवर्तक बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है ।

सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास-ये केवल राजनीतिक नारे नहीं, बल्कि शासन के मार्गदर्शक सूत्र के रूप में स्थापित हुए हैं । इनका उद्देश्य विकास को समावेशी बनाना है, ताकि समाज का कोई वर्ग पीछे न रह जाए। यही कारण है कि विकास योजनाओं का केंद्र अब वही व्यक्ति है, जो कभी व्यवस्था के हाशिए पर खड़ा था। निस्संदेह, किसी भी लंबे शासनकाल की तरह मोदी सरकार की नीतियों और निणर्यों पर बहस और आलोचना भी होती रही है । लोकतंत्र में यह स्वाभाविक और आवश्यक है । किंतु यह भी सत्य है कि पिछले बारह वर्षों में शासन की कार्यशैली, विकास की गति और नागरिकों की अपेक्षाओं में एक व्यापक परिवर्तन दिखाई देता है । आज नागरिक केवल वादे नहीं सुनना चाहता, बल्कि परिणाम देखना चाहता है। यही लोकतांत्रिक परिपक्वता की पहचान है । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सबसे बड़ी विशेषता शायद यही है कि उन्होंने शासन को एक जनांदोलन का स्वरूप देने का प्रयास किया है । वे स्वयं को शासक नहीं, बल्कि ह्यप्रधान सेवकह्ण के रूप में प्रस्तुत करते हैं। उनकी कार्यशैली में निरंतरता, परिश्रम, लक्ष्य के प्रति समर्पण और राष्ट्र को सवीपरि रखने का भाव दिखाई देता है । यही कारण है कि वे देश के सबसे लोकप्रिय नेताओं में गिने जाते हैं और विश्व मंच पर भी एक प्रभावशाली व्यक्तित्व के रूप में स्थापित हुए हैं ।

वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का संकल्प केवल आर्थिक समृद्धि का लक्ष्य नहीं है । यह एक ऐसे भारत की परिकल्पना है जो आत्मनिर्भर, समावेशी, तकनीकी रूप से उन्नत, सांस्कृतिक रूप से आत्मविश्वासी और सामाजिक रूप से संवेदनशील हो । इस दिशा में मोदी युग ने अनेक आधारभूत परिवर्तन किए हैं, जिनका प्रभाव आने वाले दशकों में और अधिक स्पष्ट होगा । आज जब भारत अमृतकाल की यात्रा पर अग्रसर है, तब यह कहा जा सकता है कि नरेंद्र मोदी का योगदान केवल योजनाओं और परियोजनाओं तक सीमित नहीं है । उन्होंने करोड़ों भारतीयों में यह विश्वास जगाया है कि परिवर्तन संभव है, विकास सबका अधिकार है और राष्ट्र की प्रगति में प्रत्येक नागरिक की भागीदारी आवश्यक है । अंत्योदय से विकसित भारत तक की यह यात्रा उसी विश्वास, संकल्प और कमयीग की कहानी है, जिसने आधुनिक भारत के निर्माण को नई गति और नई दिशा प्रदान की है ।

युद्ध-प्रेमी और जनसंहारी इजराइल पर लगाम जरूरी

तनवीर जाफरी

अमेरिका -ईरान के मध्य फिलहाल युद्धविराम हो चुका है । घोर अविश्वास के बीच हुआ यह युद्ध विराम कब तक चलेगा कुछ कहा नहीं जा सकता । परन्तु ईमानदाराना युद्ध विराम लागू होने की स्थिति में हारमूज स्ट्रेट जलमार्ग के खुलने से पूरे विश्व पर मंडराने वाले संकट के बादल छंटने से पूरी दुनिया जरूर राहत की सांस लेगी। हाँ यदि कोई एक देश इस युद्ध विराम व शांति से खुश नहीं है वह है इकलौता देश इस्राईल। इस्राईल विगत लगभग 50 वर्षों से फिलिस्तीन व लेबनान क्षेत्र में रक्तपात करता आ रहा है। अब तक लाखों बेगुनाह लोगों की हत्यायें कर चुका इस्राईल मात्र अपनी सीमाओं के विस्तार के लिये रक्तपात करता आ रहा है ।

निश्चित रूप से इस्राईल की इस आक्रामकता के पीछे शुरू से ही अमेरिका व अन्य कई पश्चिमी देशों का संरक्षण मुख्य कारण रहा है। परन्तु अब अमेरिका भी इस्राइल विशेषकर प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की अनियंत्रित आक्रामकता से तंग आ चुका है । ग़जा नरसंहार के चलते अंतर्राष्ट्रीय अदालत के वारंट का सामना कर रहे प्रधानमंत्री नेतन्याहू अब अपने ह्यसंरक्षक ह्य अमेरिका से भी आये दिन झिड़कियां खा रहे हैं । इसका मुख्य कारण यह है कि केवल अमेरिका की सरपरस्ती के चलते परन्तु अमेरिका की इच्छा के विपरीत इस्राइल अनेक बार लेबनान व ग़जा में युद्ध विराम का उललंघन करता आ रहा है । इसकी वजह से कई बार शांति की संभावनाओं को पलीता लग चुका है । अमेरिका के राजनैतिक हल्क़ों में इस बात की भी चर्चा जोरों पर है कि नेतन्याहू ने ही राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को उकसा व भड़काकर तथा ग़लत जानकारियां देकर ईरान के साथ युद्ध में झोंक दिया । जिसके परिणामस्वरूप न केवल अमेरिका में इसका भारी विरोध हुआ बल्कि कई उच्चाधिकारी यही कहते हुये इस्तीफा भी दे गये कि वे अमेरिकी हितों की रक्षा के लिये तो युद्ध कर सकते हैं परन्तु इस्राइली हितों के लिये हरगिज नहीं ।

यही वजह है कि अब राष्ट्रपति ट्रंप भी अब इंसानी खून के प्यासे नेतन्याहू की शातिराना चालबाजियों को देर से ही सही, परन्तु भांप चुके हैं । पिछले दिनों अमेरिका -इस्राईल बनाम ईरान युद्ध में उलझ चुका अमेरिका जब जब इस युद्ध से बाहर निकलने की कोशिश करता है , तब तब इस्राईल कभी युद्ध विराम का उल्लंघन व अवहेलना कर तो कभी युद्ध विराम को अस्वीकार कर विश्वशांति को धक्का पहुँचाता रहा है । हद तो यह है कि अमेरिका- ईरान के मध्य होने वाली शांति वार्ताओं से ठीक पहले या उसी दौरान इस्राइल द्वारा क़तर की राजधानी दोहा में हमास के वार्ताकारों के दल को निशाना बनाकर हवाई हमला किया गया । इस हमले में हमास के वार्ताकारों के 6 सदस्य मारे गए थे। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुटेरेश ने इस हमले की निंदा करते हुये इसे क़तर की सम्प्रभुता व क्षेत्रीय अखंडता का खुला उल्लंघन क़रार दिया था।

और अब इस्राइली युद्धोन्माद इस हद तक पहुँच चुका है कि दुनिया में सबसे अधिक युद्धरत रहने वाला अमेरिका भी इस्राइली आक्रामकता पूर्ण रवैये से तंग आकर नेतन्याहू व इस्राईली आक्रामकता के पक्षधर कट्टरपंथी नेतृत्व को न केवल आइना दिखने लगा है बल्कि उसके लिये ऐसी शब्दावली का इस्तेमाल कर रहा है जोकि किसी भी स्वाभिमानी प्रधानमंत्री व उस के देश के लिये शर्म की बात है । इन कड़वे व तल्ख बयानों के आधार पर कहा जा सकता है कि 2026 में अमेरिका- इस्राईल रिश्ते न केवल ठन्डे पड़ रहे हैं बल्कि दोनों देशों के संबंध इस वक़्त के सबसे खराब दौर से भी गुजर रहे हैं । उदाहरण के तौर पर पिछले दिनों ऋ-7 समिट के मंच से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नेतन्याहू को ह्लक्रेजीह्व कहा और दावा किया- ह्लमेरे बिना इस्राईल का अस्तित्व नहीं होताह्व । ट्रंप ने नेतन्याहू से कहा झ ह्लतुम पागल हो । अगर मैं नहीं होता तो तुम जेल में होतेह्व । इसी तरह अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने गत 18 जून को ईरान-अमेरिका टङ्कव साइन होने के बाद नेतन्याहू व इस्राईल को संबोधित करते हुये कहा कि ह्लपूरी दुनिया में अमेरिका तुम्हारा इकलौता दोस्त बचा है, तुम उसी के खिलाफ खड़े होह्व? वेंस का यह बयान ईरान-अमेरिका डील होने के बावजूद इस्राईल द्वारा लेबनान पर किये गये हमले के सन्दर्भ में था जिससे ईरान-अमेरिका डील पर असर पड़ा था और हारमूज स्ट्रेट खुलने के बाद ईरान द्वारा इसे पुनः बंद करने की घोषणा कर दी गयी थी। अब 20 जून को पुनः ईरान के खातम अल-अंबिया मुख्यालय ने घोषणा की है कि होर्मुज स्ट्रेट को जहाजों के लिए ह्यबंदह्ण किया जा रहा है । इस घोषणा के पीछे भी दक्षिणी लेबनान में इस्राईल की ओर से ह्यलगातार युद्धविराम का उल्लंघनह्ण और लेबनान के ह्यलोगों का क्रूर जनसंहार और विस्थापनह्ण को कारण बताया गया है। ग़ौरतलब है कि इस्राईल के कुछ कट्टरपंथी मंत्रियों ने अमेरिका-ईरान के बीच हुये टङ्कव (संयुक्त समझौता) का खुलकर विरोध किया है और कट्टरपंथियों का नेतृत्व करने वाले नेतन्याहू भी इस समझौते से क़तई खुश नहीं हैं ।

इसी बीच नेतन्याहू के लिये एक बार फिर बुरी खबर आ रही है। उनपर उनके अपने ही देश में भ्रष्टाचार के मामले को लेकर जेल जाने के तो आसार नजर आ ही रहे हैं साथ ही पांच नॉर्डिक देशों, डेनमार्क, फिनलैंड, आइसलैंड, नॉर्वे और स्वीडन ने भी संकेत दिया है कि उन्हें इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट के सदस्य के तौर पर नेतन्याहू के विरुद्ध जारी कउउ के अरेस्ट वारंट पर कार्रवाई करनी होगी । कउउ ने नवंबर 2024 में ग़ज़ा संघर्ष से जुड़े कथित युद्ध अपराधों और मानवता के खिलाफ अपराधों के लिए इस्राईल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू और पूर्व रक्षा मंत्री योआव गैलेंट के लिए वारंट जारी किए थे। नॉर्वे ने तो साफ तौर पर कहा है कि अगर कोई वॉन्टेड व्यक्ति देश में आता है तो उसे अपने क़ानून का पालन करना होगा । परन्तु इन बातों से बेफिक्र नजर आ रहा नेतन्याहू व इस्राइल किस हद तक अनियंत्रित हो गया है कि 1948 में इस्राईल की स्थापना के बाद उसे मान्यता देने वाला पहला देश अमेरिका, जिसके साथ शुरू से ही उसके गहरे रिश्ते रहे,आज वही अमेरिका इस्राइल की आक्रामकता व ग़ैर क़ानूनी सैन्य कार्रवाइयों से इतना दुखी हो गया है कि दोनों देशों के संबंधों में इतिहास में पहली बार कड़वाहट पैदा होती दिखाई दे रही है लिहाजा मानवता की रक्षा के लिये किसी भी क़ीमत पर और यथा शीघ्र युद्ध-प्रेमी और जनसंहारी इजराइल पर लगाम लगाना बेहद जरूरी है ।

छत्तीसगढ़ के उच्च शिक्षा क्षेत्र में 'PM-USHA' की महा-क्रांति

भौगोलिक दूरियां होंगी खत्म : वनांचलों से लेकर शहरों तक पहुंच रही आधुनिक शिक्षा

विष्णुप्रसाद वर्मा, सहायक संचालक रायपुर

छत्तीसगढ़ के उच्च शिक्षा जगत में एक नए युग का सूत्रपात हो चुका है । वर्ष 2014 से 2026 के बीच केंद्र सरकार से मिली प्रमुख स्वीकृतियों और सौगातों की शृंखला में 'प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान' (PM-USHA) राज्य के लिए वरदान साबित हो रहा है । राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020) के प्रभावी क्रियान्वयन, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों की नैशनल असेसमेंट एंड एक्रेडिटेशन काउंसिल (NAAC) ग्रेडिंग में सुधार, और अनुसंधान (Reserch) के साथ-साथ गुणवत्तापूर्ण बुनियादी ढांचे के विकास के लिए केंद्र सरकार द्वारा भारी-भरकम वित्तीय अनुदान की स्वीकृति दी गई है । यह योजना पूर्ववर्ती राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (RUSA) का ही एक परिष्कृत और अधिक उन्नत रूप है ।

अधोसंरचना विकास के लिए मिला 'मेगा बजट'

इस योजना के तहत देश भर के लिए कुल 12,926.10 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं । इस विशाल बजट का एक बड़ा और महत्वपूर्ण हिस्सा छत्तीसगढ़ के हिस्से आया है। योजना के तहत छत्तीसगढ़ राज्य में चयनित पात्र शासकीय विश्वविद्यालयों को मल्टी-डिसिप्लिनरी एजुकेशन एंड रिसर्च यूनिवर्सिटीज (MERU) के अंतर्गत प्रति संस्थान 20 करोड़ से लेकर 100 करोड़ रुपए तक का भारी-भरकम अनुदान मिल रहा है । वहीं, चिन्हित शासकीय महाविद्यालयों को बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण (Grants to Strengthen Colleges) के लिए 5 करोड़ रुपए तक का प्रोजेक्ट-बेस्ड अनुदान स्वीकृत किया जा रहा है । इस वित्तीय भार का वहन केंद्र और राज्य सरकार द्वारा 60:40 के अनुपात (60% केंद्रांश और 40% राज्यांश) में किया जा रहा है ।

धरातल पर उतरी योजना : स्मार्ट क्लासरूम और आधुनिक लैब का निर्माण जारी

छत्तीसगढ़ में यह योजना केवल कागजों तक सीमित नहीं है, बल्कि धरातल पर तेजी से प्रगति कर रही है । छत्तीसगढ़ शासन के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा केंद्र सरकार के साथ समझौता ज्ञापन (MoU) निष्पादित किया जा चुका है । वतर्मान में, चयनित कॉलेजों द्वारा विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (DPR) तैयार कर पोर्टल पर अपलोड की जा रही है । इसके साथ ही, राज्य के शिक्षण संस्थानों में स्मार्ट क्लासरूम, आधुनिक लैब, और कंप्यूटर सेंटर जैसे अत्याधुनिक अधोसंरचना निर्माण का कार्य युद्धस्तर पर जारी है ।

बस्तर से सरगुजा तक सभी 33 जिलों को मिल रहा है सीधा लाभ

PM-USHA योजना का सबसे खूबसूरत पहलू इसका समावेशी होना है। इस परियोजना का लाभ छत्तीसगढ़ के समस्त 33 जिलों को मिल रहा है । योजना के तहत विशेष रूप से राज्य के ?आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों और दूरस्थ अंचलों जैसे बस्तर संभाग और सरगुजा संभाग, कम सकल नामांकन अनुपात (GER) वाले क्षेत्रों, आकांक्षी जिलों जैसे धमतरी, गरियाबंद, महासमुंद आदि के शासकीय कॉलेजों को प्राथमिकता के आधार पर शामिल किया गया है, ताकि विकास की दौड़ में पीछे छूटे क्षेत्रों को मुख्यधारा में लाया जा सके ।

5 लाख से अधिक छात्र-छात्राओं के सपनों को उड़ान

इस दूरदर्शी परियोजना से राज्य के विभिन्न शासकीय शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत लगभग 5 लाख से अधिक छात्र-छात्राएं सीधे लाभान्वित हो रहे हैं। इस योजना का सबसे बड़ा फायदा ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों, अनुसूचित जनजाति (ST), अनुसूचित जाति और महिला वर्ग के छात्र-छात्राओं को मिल रहा है । अब छत्तीसगढ़ के वनांचलों और दूरदराज के गांवों के युवाओं को भी वैश्विक स्तर की आधुनिक शिक्षा और अनुसंधान की सुविधाएं अपने ही राज्य में सुलभ हो रही हैं, जो उनके सुनहरे भविष्य की मजबूत नींव रख रही हैं ।

वेतन से आगे : विकसित भारत के लिए कुशल कार्यबल की तैयारी

डॉ. आर बालासुब्रमण्यम

कोयंबटूर में काम करने वाले युवा रवि को, जो एक छोटी विनिर्माण इकाई में अपनी पहली औपचारिक नौकरी के छह महीने पूरे कर चुके हैं और हाल ही में अपनी मासिक तनख्वाह के अलावा उन्हें बैंक खाते में 7,500 रुपये मिले । लगातार छह महीने की नौकरी पूरी होने के बाद यह रकम अपने आप जारी कर दी गई । इससे पहले उनका परिवार सिर्फ अनौपचारिक काम करता था, जिसमें कोई अनुबंध, भविष्य निधि में योगदान या नौकरी का कोई लिखित रिकॉर्ड नहीं होता था । यह पहला मौका था, जब उनकी नौकरी को आधिकारिक तौर पर दर्ज किया गया और उन्हें इस तरह का लाभ मिला ।

रवि को मिली यह धनराशि प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजग़ार योजना (पीएम-वीबीआरवाई) के भाग ए के तहत मिली पहली किस्त है । इस योजना को केंद्रीय बजट 2024-25 में प्रधानमंत्री के रोजग़ार और कौशल पैकेज के हिस्से के तौर पर शुरू किया गया था। इस प्रावधान के तहत, ईपीएफओ में पंजीकृत कंपनियों में पहली बार नौकरी पाने वाले ऐसे कमर्चारी, जिनकी मासिक कमाई 1 लाख रुपये से कम है, उन्हें 15,000 रुपये तक का नकद प्रोत्साहन मिलता है । यह रकम दो किस्तों में दी जाती है: पहली किस्त लगातार छह महीने की नौकरी के बाद और दूसरी किस्त बारह महीने के बाद । इसके लिए शर्त यह है कि कमर्चारी को ईपीएफओ पोर्टल के जरिए वित्तीय साक्षरता का कोर्स पूरा करना होगा और यह राशि बचत के एक साधन में जमा की जाएगी, ताकि कमर्चारी को एक आर्थिक सुरक्षा मिल सके । रवि के लिए, ये छह महीने सिर्फ योग्यता हासिल करने का समय नहीं थे। ये वो वक्त था, जिसमें उन्होंने अपने काम की जगह को समझा, अपने काम से जुड़ी बुनियादी कौशल और योग्यता सीखी और अपने लिए रोजग़ार का एक रिकॉर्ड बनाना शुरू किया, जो पहले कभी नहीं था ।

यह समय उनके नियोक्ता के लिए भी अहम था, जो एक छोटी विनिर्माण इकाई थी और उसने अपने विस्तार के तहत रवि को काम पर रखा था । पीएम-वीबीआरवाई के भाग क्ष में प्रावधान है कि जो नियोक्ता अपनी मौजूदा बेसलाइन से ज़्यादा रोजग़ार पैदा करते हैं, उन्हें हर अतिरिक्त कमर्चारी के लिए हर महीने 3,000 रुपये तक का सरकारी योगदान मिलता है । यह योगदान अलग-अलग क्षेत्रों में दो साल तक और विनिर्माण क्षेत्र में चार साल तक मिलता है । यह योगदान उस शुरुआती लागत का कुछ हिस्सा कवर करता है, जो किसी कंपनी को नए कमर्चारी को रखने पर उठानी पड़ती है, खासकर तब जब ऑनबोर्डिंग और प्रशिक्षण चल रहा होता है और बिना किसी पिछले औपचारिक अनुभव वाला कमर्चारी, धीरे-धीरे कंपनी के लिए लाभप्रद हो रहा होता है । इस शुरुआती लागत को कम करके यह प्रावधान, योजना का दायरा रवि जैसे लोगों को काम पर रखने वाले छोटे व्यवसायों तक बढ़ाता है। उसकी जैसी विनिर्माण इकाईयों के लिए, चार साल की अवधि, जो सामान्य अवधि से दोगुनी है, कंपनियों को ऑटोमेशन में निवेश के साथ-साथ अपने कार्यबल का विस्तार करने के लिए भी प्रोत्साहित करती है ।

भारत की जनसांख्यिकीय व्यवस्था को देखते हुए, युवा और बढ़ता कार्यबल 2047 तक विकसित भारत की ओर बढ ? के लिए रोजग़ार-आधारित विकास के जरिए आर्थिक विकास को रफ्तार देने का एक मौका देता है । कार्यबल में शामिल होने वाले नए लोग किस सीमा तक औपचारिक रोजग़ार में आते हैं, जहाँ उन्हें सामाजिक सुरक्षा और संस्थागत सुरक्षा मिलती है, यह इस बात पर भी असर डालेगा कि परिवारों और समुदायों में विकास का लाभ कैसे मिलता है । पीएम-वीबीआरवाई का मकसद स्वतंत्र भारत से समृद्ध भारत तक के सफ ? को मजबूत करना है और दो साल में 3.5 करोड़ से ज़्यादा औपचारिक नौकरियाँ पैदा करने के लिए प्रोत्साहन देना है ।

इस योजना की शुरूआत से, 60 लाख नए कमर्चारी औपचारिक कार्यबल का हिस्सा बन चुके हैं । इनमें से 43.26 लाख (लगभग 71त्न) 18 से 30 साल की उम्र के हैं और 18.04 लाख (लगभग 30त्न) महिलाएं हैं, जो पहली बार औपचारिक रोजग़ार से जुड़ी हैं। ये कमर्चारी विशेष सेवाओं, इंजीनियरिंग, व्यापार, विनिर्माण, शिक्षा, स्वास्थ्य, वस्त्र और आतिथ्य जैसे क्षेत्रों से जुड़े हैं, जो दिखाता है कि कई तरह के औपचारिक संस्थानों में इसे अपनाया गया है ।

बड़े मंच का बड़ा खिलाड़ी! दबाव बढ़ते ही और खतरनाक हो जाते हैं 'बेबी बॉस'

दांबुला, एजेंसी। क्रिकेट में प्रतिभाएं आती-जाती रहती हैं, लेकिन कुछ खिलाड़ी ऐसे होते हैं जो बहुत कम उम्र में ही यह संकेत दे देते हैं कि वे साधारण नहीं हैं। भारतीय क्रिकेट के उभरते सितारे वैभव सूर्यवंशी भी अब उसी श्रेणी में आते दिखाई दे रहे हैं। महज 15 साल की उम्र में उन्होंने बार-बार साबित किया है कि बड़े मुकाबलों का दबाव उन्हें डराता नहीं, बल्कि और अधिक खतरनाक बना देता है।

वैभव ने फाइनल में दिखाया दम

हाल ही में श्रीलंका ए के खिलाफ त्रिकोणीय सीरीज के दौरान वैभव पहली बार अपने खेल से ज्यादा खराब प्रदर्शन और एक विवाद की वजह से चर्चा में आए। फाइनल से पहले तक उनका बल्ला नहीं बोला था। वह 30-40 के स्कोर पर आउट हो रहे थे। इसके बाद मैदान पर श्रीलंकाई खिलाड़ियों के साथ हुई कहासुनी ने उनकी मानसिकता को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए। कुछ लोगों ने इसे उनकी अपरिपक्वता बताया तो कुछ ने अंदाजा लगाया कि इसका असर उनके प्रदर्शन पर पड़ सकता है, लेकिन वैभव ने जवाब शब्दों से नहीं, बल्ले से दिया।

फाइनल में बल्ले से दिया जवाब

त्रिकोणीय सीरीज के फाइनल में वैभव ने शुरुआत से ही आक्रामक तेवर दिखाए। पहले ही ओवर में मोहम्मद शिराज की गेंद पर शानदार चौका लगाकर उन्होंने अपने इरादे साफ कर दिए। इसके बाद जो हुआ, वह किसी तूफान से कम नहीं था। वैभव ने सिर्फ 29 गेंदों में 94 रन ठोक डाले। इस दौरान उन्होंने गेंदबाजों की जमकर धुनाई की और मैदान के हर कोने में शॉट लगाए। उनका स्ट्राइक रेट 324.14 रही, जो किसी भी स्तर क्रिकेट में असाधारण मानी जाती है। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि उन्होंने महज 11 गेंदों में अर्धशतक पूरा कर लिया। यह ऐसी पारी थी जिसने मैच का रुख बदल दिया और फाइनल को लगभग एकतरफा बना दिया। वैभव जब बल्लेबाजी कर रहे थे, तब एक वक्त तो भारत का प्रोजेक्टेड स्कोर 950 तक पहुंच गया था।

बड़े मैचों में अलग रूप दिखाते हैं

इस पारी को सिर्फ एक विस्फोटक पारी कह नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यदि वैभव के पिछले एक साल के प्रदर्शन पर नजर डालें तो एक पैटर्न साफ दिखाई देता है, जब मुकाबला बड़ा होता है, तब उनका बल्ला और ज्यादा खतरनाक हो जाता है। अंडर-19 विश्व कप में उनका अभियान बहुत शानदार नहीं रहा था, लेकिन फाइनल में उन्होंने 80 गेंदों पर 175 रन की ऐतिहासिक पारी खेलकर भारत को खिताब दिलाया। यह प्रदर्शन बताता है कि दबाव की घड़ी में उनका आत्मविश्वास कम नहीं होता, बल्कि बढ़ जाता है।

आईपीएल में भी छोड़ी अमिट छाप

इसके बाद आईपीएल 2026 आया और वैभव ने दुनिया के सामने अपनी प्रतिभा का एक और नमूना पेश किया। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ एलिमिनेटर में उन्होंने सिर्फ 29 गेंदों पर 97 रन बनाकर राजस्थान रॉयल्स को जीत दिलाई। फिर क्वालिफायर-2 में गुजरात टाइटंस के खिलाफ 47 गेंदों पर 96 रन बनाए। हालांकि राजस्थान वह मुकाबला हार गई, लेकिन वैभव की पारी लंबे समय तक चर्चा का विषय बनी रही। इन दोनों पारियों ने दिखा दिया कि वह सिर्फ युवा प्रतिभा नहीं, बल्कि मैच का रुख बदलने वाले खिलाड़ी हैं।

'प्रेशर इज अ प्रिविलेज' को जी रहे हैं

आईपीएल 2026 के दौरान विराट कोहली ने कहा था, 'प्रेशर इज अ प्रिविलेज' यानी दबाव एक विशेषाधिकार है। इसका मतलब यह है कि दबाव उन्हीं खिलाड़ियों पर होता है जिनसे लोगों को उम्मीदें होती हैं। 15 साल की उम्र में वैभव सूर्यवंशी पर भी करोड़ों क्रिकेट प्रेमियों की नजरें हैं। हर बार जब बल्लेबाजी करने उतरते हैं तो उनसे बड़ी पारी की उम्मीद की जाती है। इतनी कम उम्र में यह अपेक्षाएं किसी भी खिलाड़ी पर भारी पड़ सकती हैं, लेकिन वैभव अब तक इन उम्मीदों के बोझ तले दबे नहीं हैं। बल्कि उनके प्रदर्शन बताते हैं कि वह इस दबाव का आनंद लेते हैं और बड़े मंच पर खुद को साबित करने का अवसर मानते हैं।

भारतीय क्रिकेट का अगला बड़ा सितारा

वैभव सूर्यवंशी अभी अपने करियर की शुरुआती सीढ़ियां ही चढ़ रहे हैं। उन्हें तकनीक, स्वभाव और निरंतरता के मामले में अभी बहुत कुछ सीखना है। लेकिन एक गुण जो उनमें अभी से दिखाई देता है, वह है बड़े मौकों पर निडर होकर खेलने की क्षमता।शायद यही वजह है कि क्रिकेट विशेषज्ञ उन्हें भारतीय क्रिकेट का अगला बड़ा सुपरस्टार मानने लगे हैं। अगर उनका यह रवैया और प्रदर्शन जारी रहा तो आने वाले वर्षों में भारतीय क्रिकेट को एक ऐसा खिलाड़ी मिल सकता है, जो दबाव में टूटता नहीं, बल्कि और चमकता है।

बेन स्टोक्स 95 रन बनाने के बाद मैच से हो गए बाहर

क्या इंग्लैंड की टीम में होगी वापसी?

नई दिल्ली। बेन स्टोक्स और गस एटकिंसन को रविवार (21 जून) को काउंटी चैंपियनशिप के मैचों से बाहर करा दिया गया। ऐसा इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड के निर्देश पर किया गया। इससे संकेत मिलते हैं कि न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट में इंग्लैंड के लिए खेलने के लिए दोनों उपलब्ध रहेंगे। खासकर तब जब न्यूजीलैंड ने ओवल टेस्ट 253 रनों से नाम करके 3 मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर कर ली। कप्तान बेन स्टोक्स और तेज गेंदबाज गस एटकिंसन को नाइट कर्फ्यू तोड़ने और लंदन के एक नाइट क्लब में हुई लड़ाई की जांच के लिए दूसरे टेस्ट के लिए इंग्लैंड की टीम से बाहर कर दिया गया था, लेकिन दोनों को घरेलू क्रिकेट खेलने की इजाजत दी गई थी। इसमें स्टोक्स शुक्रवार से शुरू हुए मैचों के पहले दो दिन डरहम के लिए और एटकिंसन सरे के लिए खेले।

नॉर्थम्पटनशायर के खिलाफ 95 रन- 35 साल के स्टोक्स ने शनिवार को नॉर्थम्पटनशायर के खिलाफ 95 रन बनाए, जो पिछले जुलाई में भारत के खिलाफ चौथे टेस्ट में शतक के बाद किसी भी क्रिकेट में उनका सबसे बड़ा स्कोर था। एटकिंसन ने ग्लेमोर्गन में सरे के लिए पहली पारी में चार विकेट लिए। दोनों खिलाड़ियों को तीसरे दिन से पहले प्लेइंग 11 से बाहर कर दिया गया। तीसरा टेस्ट गुरुवार (25 जून) से ट्रेंटब्रिज में होगा।

भारत की हार से निराश हैं कप्तान हरमनप्रीत, बोलीं-

दुर्भाग्य से हम कुछ मौके नहीं भुना सके

मैनचेस्टर, एजेंसी। महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 के 18वें मैच में भारत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने इस हार के बाद फील्डिंग में चूके मौकों पर अफसोस जताया है। हालांकि, अभी भारत के पास लीग स्टेज में दो मैच शेष हैं। ऐसे में कप्तान ने सकारात्मक बने रहने पर जोर दिया है।

भारत की फिल्डिंग नहीं रही अच्छी

158/7 के स्कोर का बचाव करते हुए भारत की फील्डिंग अच्छी नहीं रही। ताजमिन ब्रिट्ज का कैच 18 रन पर छूटा, जबकि मारिजाने को सब्स्टिट्यूट फील्डर राधा यादव ने 25 और 65 रन पर दो बार जीवनदान दिया। इन दोनों खिलाड़ियों ने भारत की फील्ड प्लेसमेंट का बखूबी फायदा उठाया और आसानी से बाउंड्री लगाई। मारिजाने ने 81 रन पर नाबाद रहते हुए साउथ अफ्रीका को यादगार जीत दिलाई।

मौके नहीं भुना सके

मैच गंवाने के बाद भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा, 'मुझे लगता है कि हमें बीच में कुछ मौके मिले, लेकिन दुर्भाग्य से हम उन्हें भुना नहीं सके। हालांकि, मुझे अभी भी लगता है कि हमारे दो मैच शेष हैं, और यही समय है सकारात्मक रहने और उन मुकाबलों के बारे में सोचने का। हम हमेशा बात करते हैं कि इस स्तर पर मौकों को भुनाना कितना जरूरी है, लेकिन दुर्भाग्य से किस्मत हमारे साथ नहीं थी।'

भारत के दो मैच बाकी

भारतीय टीम 25 जून को बांग्लादेश को चुनौती देगी, जिसके बाद 28 जून को उसका सामना ऑस्ट्रेलिया से होगा। भारतीय कप्तान ने कहा, 'अभी भी हमारे दो मैच शेष हैं। अब उन मुकाबलों के बारे में सोचने का समय है। अगले मैच के लिए हमारे पास अभी भी दो-तीन दिन हैं। हम बैठकर सोचेंगे कि क्या करना है और उसी हिसाब से अपनी प्लेइंग इलेवन चुनेंगे।'

श्री चरणी-शेफाली की तारीफ

इस मैच में श्री चरणी ने चार ओवरों में 24 रन देकर तीन विकेट हासिल किए, जबकि शेफाली वर्मा ने चार ओवरों में 22 रन देकर एक विकेट निकाला। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने दोनों खिलाड़ियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि श्री चरणी और शेफाली ने बहुत अच्छी गेंदबाजी की। वे चुनौतियां पैदा कर रही थीं, लेकिन दुर्भाग्य से बाकी गेंदबाजों ने उनका साथ नहीं दिया।'

मारिजाने की मैच जिताऊ पारी

हरमनप्रीत ने मारिजाने की मैच जिताऊ नाबाद 81 रन की पारी की अहमियत को मानते हुए कहा, 'वह शानदार खेलीं। उन्होंने हमसे मैच छीन लिया, लेकिन मुझे लगता है कि उन्होंने हमें दो अहम मौके भी दिए, जिनका हम फायदा नहीं उठा सके। मुझे लगता है कि इस स्तर पर जब आप ऐसे मौके गंवाते हैं, तो कोई भी आपको आसानी से कुछ नहीं देता।

स्पिनर्स को लेकर बोलीं कप्तान

स्पिनर्स के ज्यादा इस्तेमाल पर हरमनप्रीत ने कहा, 'जब हम गेंदबाजी कर रहे थे, तो गेंद थोड़ी टर्न हो रही थी। अगर आप अपने फिंगर स्पिनर्स का सही इस्तेमाल करते हैं, तो मुझे लगता है कि शेफाली और श्री चरणी ने बहुत अच्छा काम किया। दूसरे स्पिनर्स को भी सोचना होगा कि हमें कैसे गेंदबाजी करनी है, खासकर ऐसी पिचों पर।'

वैभव-तिलक का बल्ले से कमाल

यश-विप्रज का गेंदबाजी में जलवा, इंडिया ए ने जीती वनडे ट्राई सीरीज

नई दिल्ली। श्रीलंका में इंडिया ए, अफगानिस्तान ए और श्रीलंका ए के बीच खेली गई वनडे ट्राई सीरीज का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ है। बल्लेबाजों के दमदार प्रदर्शन के बाद भारतीय गेंदबाजों ने कमाल का प्रदर्शन किया। 378 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका ए की टीम 47.1 ओवर में 311 रन बनाकर सिमट गई। भारतीय टीम ने 66 रन से फाइनल मुकाबला जीता और ट्राई सीरीज पर कब्जा किया। फाइनल मुकाबले में तिलक वर्मा की कप्तानी वाली इंडिया ए ने श्रीलंका ए को हराकर खिताब जीता। फाइनल मैच में भारत के लिए बल्ले से वैभव सूर्यवंशी ने 29 गेंद पर 94 और कप्तान तिलक वर्मा ने 66 रनों की पारियां खेलीं। उसके बाद गेंदबाजी में यश ठाकुर और विप्रज निगम ने कमाल किया। इस मुकाबले में श्रीलंका ए ने टॉस जीता और इंडिया ए को पहले बल्लेबाजी का न्यौता दिया।

अनुकूल रॉय की आतिशी बल्लेबाजी

कप्तान तिलक वर्मा ने इस सीरीज के पांचवें मैच में अपना चौथा फिफ्टी प्लस स्कोर बनाया और टीम का स्कोर 50 ओवर में 9 विकेट पर 377 तक पहुंचाने की नींव रखी।

रेड कार्ड के बावजूद बेल्जियम ने बचाया एक अंक, ईरान से खेला ड्रॉ

लॉस एंजिलिस, एजेंसी। फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप-जी में बेल्जियम और ईरान के बीच खेला गया मुकाबला गोलरहित ड्रॉ पर समाप्त हुआ। लॉस एंजिलिस स्टेडियम में खेले गए इस मैच में दोनों टीमों को कई मौके मिले, लेकिन कोई भी गोल नहीं कर सके। बेल्जियम को 66वें मिनट में बड़ा झटका लगा, जब नाथन नगोय को रेड कार्ड दिखाया गया और टीम को शेष मैच 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा। इसके बावजूद ईरान भी बढ़त हासिल नहीं कर सका और दोनों टीमों को एक-एक अंक से संतोष करना पड़ा।

बेल्जियम का दबदबा, लेकिन गोल नहीं

मैच में बेल्जियम ने अधिक समय तक गेंद अपने कब्जे में रखी और लगातार ईरानी गोल पर हमला बोला। लंबे समय बाद शुरुआती एकादश में लौटे रोमेलू लुकाकू से टीम को बड़ी उम्मीदें थीं, लेकिन बेल्जियम की तमाम कोशिशें ईरान के गोलकीपर अलीरेजा बेइरानवंद के सामने बेअसर साबित हुईं।

ईरान ने भी बनाए मौके

रक्षात्मक रणनीति के साथ उतरी ईरानी टीम ने जवाबी हमलों में बेल्जियम को परेशान किया। पहले हाफ में मेहदी तारेमी ने शानदार मूव पर गेंद को गोल में पहुंचा दिया था, लेकिन ऑफसाइड होने के कारण गोल रद्द कर दिया गया। कप्तान तारेमी और हुसैन कनानी ने भी बेल्जियम की रक्षा पंक्ति पर दबाव बनाया।

रेड कार्ड ने बदला मैच का रुख

मुकाबले का सबसे बड़ा मोड़ 66वें मिनट में आया, जब बेल्जियम के डिफेंडर नाथन नगोय को सीधे रेड कार्ड दिखाया गया। तारेमी को गोल की ओर बढ़ने से रोकने के प्रयास में किए गए फाउल के कारण रेफरी ने उन्हें मैदान से बाहर भेज दिया। इसके बाद बेल्जियम को शेष मुकाबला 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा।

अतिरिक्त खिलाड़ी का फायदा नहीं उठा सका ईरान

एक खिलाड़ी अधिक होने के बावजूद ईरान निर्णायक गोल करने में नाकाम रहा। वहीं बेल्जियम ने भी शानदार संघर्ष दिखाते हुए मैच को बराबरी पर खत्म किया। दोनों गोलकीपरों ने कई महत्वपूर्ण बचाव कर अपनी-अपनी टीमों को हार से बचाया।

ग्रुप-जी में बढ़ा रोमांच

दो मैचों के बाद ईरान और बेल्जियम दोनों के दो-दो अंक हैं। बेहतर टाईब्रेक के आधार पर ईरान शीर्ष स्थान पर है, जबकि बेल्जियम दूसरे नंबर पर बना हुआ है। न्यूजीलैंड और मिस्र के पास भी नॉकआउट में पहुंचने का मौका बरकरार है, जिससे ग्रुप-जी की तस्वीर बेहद रोचक हो गई है।

लक्ष्य करेंगे भारतीय चुनौती की अगुआई, महिलाओं में तन्वी संभालेंगी जिम्मेदारी

फुलरटन, एजेंसी। अनुभवी खिलाड़ी लक्ष्य सेन और उभरती हुई स्टार तन्वी शर्मा मंगलवार से शुरू होने वाले यूएस ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत की चुनौती की अगुआई करेंगे। इस प्रतियोगिता के एकल में कई अन्य भारतीय खिलाड़ी भी अपना भाग्य आजमाएंगे जिनमें पुरुष वर्ग में किदाम्बी श्रीकांत भी शामिल हैं। महिला वर्ग में कुल सात भारतीय खिलाड़ी एकल में चुनौती पेश करेंगे।

सेन को दी गई दूसरी वरीयता

विश्व रैंकिंग में 14वें स्थान पर काबिज सेन को दूसरी वरीयता दी गई है और पहले दौर में उनका मुकाबला बेल्जियम के जूलियन कैरागी से होगा। इस महीने की शुरुआत में इंडोनेशिया ओपन में पहले दौर में बाहर होने के बाद लक्ष्य वापसी करने के लिए किसी तरह की कसर नहीं छोड़ेंगे। श्रीकांत पुरुष एकल में अपना पहला मैच चीनी ताइपे के लियाओ झूओ-फू के खिलाफ खेलेंगे।भारत के एक अन्य खिलाड़ी सानीथ दयानंद जापान के चौथी वरीयता प्राप्त युदाई ओकिमोतो के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगे। एस शंकर मुथुसामी सुब्रमणियन ने भी मुख्य ड्रॉ में जगह बना ली है और उनका मुकाबला क्वालिफायर से होगा। महिला एकल में पांचवीं वरीयता प्राप्त तन्वी शर्मा और छठी वरीयता प्राप्त देविका सिहाग अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे। वे विश्व रैंकिंग में क्रमशः 32वें और 34वें स्थान पर हैं। 17 वर्षीय तन्वी जर्मनी की यवोन ली के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेंगी, जबकि देविका का सामना पेरू की इनेस लूसिया कैस्टिलो सालाजार से होगा।विश्व रैंकिंग में 51वें स्थान पर काबिज अनमोल खरब पहले दौर में बुल्गारिया की कालोयाना नलबंतोवा से भिड़ेंगी। रक्षिता श्री एस का सामना पहले दौर में क्वालिफायर से होगा। अगर वह आगे बढ़ती हैं, तो अगले दौर में उन्हें कनाडा की शीर्ष वरीयता प्राप्त मिशेल ली का सामना करना पड़ सकता है।

वैभव सूर्यवंशी का आलोचकों पर पलटवार, फाइनल के बाद कही यह बात

'मैं 50 ओवर बहुत खेल चुका हूं, लोगों को नहीं मालूम'

नई दिल्ली। इंडिया ए ने श्रीलंका ए को फाइनल में हराकर वनडे ट्राई नेशन ए सीरीज का खिताब अपने नाम किया। फाइनल मैच में 29 गेंद पर 94 रन की पारी खेल प्लेयर ऑफ द मैच बने वैभव सूर्यवंशी ने मैच के बाद अपने आलोचकों पर निशाना साधा है। आईपीएल 2026 में 776 रन बनाने के बाद वनडे फॉर्मेट में वैभव की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। पहले चार मैच में उन्होंने सिर्फ 117 रन बनाए थे और वह आलोचनाओं का शिकार हो रहे थे।

क्या बोले वैभव सूर्यवंशी?

प्रेजेंटेशन सेरेमनी में जब वैभव सूर्यवंशी से पूछा गया कि उन्होंने टी20 ज्यादा खेला है और बेहतरीन प्रदर्शन किया, लेकिन 50 ओवर फॉर्मेट कम खेला है, तो यहां इस सीरीज से क्या सीखा? इस पर वैभव ने हंसते हुए कहा, 'सीखने को काफी कुछ मिला लेकिन मैं 50 ओवर काफी खेल चुका हूं, पता नहीं लोगों को नहीं मालूम लगता, लेकिन हां अलग कंडीशन थीं, अलग पिच थीं अच्छा लगा खेलने में मजा आया, अच्छी रही सीरीज।'

कई लोगों ने यह कहना शुरू कर दिया था कि वैभव अभी भी टी20 मोड से बाहर नहीं आए हैं। फिर फाइनल मुकाबले में वैभव सूर्यवंशी ने अपने टी20 अंदाज से ही वनडे मुकाबले में श्रीलंका ए को बैकफुट पर ला दिया। फाइनल मुकाबले में वैभव की पारी के दम पर भारतीय टीम ने 377 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया जिसकी नींव पहले 10 ओवर में ही रखी जा चुकी थी।

5 मैच, 218 गेंद, 530 रन

वैभव सूर्यवंशी बने नॉकआउट मुकाबलों के बादशाह, 2026 में अब तक जमकर मचाया तूफान

नई दिल्ली। वैभव सूर्यवंशी ने जब से आईपीएल 2025 में कदम रखा था, उसके बाद से हर समय क्रिकेट फील्ड पर चर्चा सिर्फ इस युवा बल्लेबाज की ही है। साल 2025 में सबसे ज्यादा गूगल सर्च किए जाने वाला यह भारतीय क्रिकेटर साल 2026 में और ज्यादा बुलंदियों पर चढ़ता नजर आ रहा है। अब वह दिन भी नजदीक है जब वैभव को भारतीय क्रिकेट टीम में देखा जाएगा। मगर साल 2026 के रिकैप की बात करें तो वैभव ने हर बड़े मौके पर अपने बल्ले का लोहा मनवाया है। वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 में 776 रन बनाकर तो सुर्खियां बटोरी ही हैं, लेकिन साल की शुरुआत में अंडर 19 वर्ल्ड कप 2026 में भी यह खिलाड़ी अव्वल था। सेमीफाइनल में अर्धशतकीय पारी और फिर फाइनल में 175 रन बनाकर वैभव ने कमाल कर दिया था। उसके बाद आईपीएल 2026 के एलिमिनेटर और क्वालिफायर 2 में भी वैभव ने 90-90 रन से ज्यादा की पारियां खेली थीं। अब इंडिया ए के लिए वनडे ट्राई सीरीज के फाइनल में वैभव का बल्ला बोला है।

अनुपमा फेम निशी सक्सेना और शिवांगी खेडकर का इंडस्ट्री पर बड़ा खुलासा

टीवी का सबसे चर्चित शो 'अनुपमा' अक्सर चर्चा में रहता है। सीरियल के कई कलाकार इस शो को छोड़कर जा चुके हैं, जिसके बाद उन एक्टर्स के इंटरव्यूज और पॉडकास्ट ने काफी सुर्खियां बटोरी हैं। 'अनुपमा' शो में डिंपी का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस निशी सक्सेना का हाल ही में एक पॉडकास्ट सामने आया जिसमें एक्ट्रेस ने इंडस्ट्री की बदलती सच्चाई और कुछ ऐसी बातों से पर्दा उठाया, जो काफी हैरान कर देने वाली थी।एक्ट्रेस का कहना है कि अब किसी भी शो की कास्टिंग के लिए कलाकार में टैलेंट हो या ना हो, लेकिन उसके पास फॉलोवर होने चाहिए। ऐसा ही कुछ खुलासा टीवी एक्ट्रेस शिवांगी खेडकर ने भी किया है। उन्होंने अपने चैट्स के स्क्रीनशॉट भी साझा किए जिनमें उन्हें सिर्फ इसलिए कास्ट नहीं किया गया क्योंकि उनके 1 मिलियन फॉलोवर नहीं थे।टीवी इंडस्ट्री के बारे में बात करते हुए अनुपमा फेम एक्ट्रेस निशी सक्सेना से पूछा गया कि क्या सोशल मीडिया फॉलोविंग शो की कास्टिंग पर प्रभाव डालती है तो इस पर निशी ने कहा, 'हां, अब ऐसा होता है। मैंने देखा है कि सोशल मीडिया इंफ्लुएंजर्स को बहुत आसानी से काम मिल जाता है। लेकिन जो लोग एक्टर बनने आए है, जो मेहनत कर रहे है दिन रात एक्टिंग के लिए , उन लोगों को काम नहीं मिल रहा है। क्योंकि उनके पास सोशल मीडिया पर फॉलोवर नहीं है। ये एक बड़ी बात है और बहुत से एक्टर्स के लिए बड़ी समस्या बन गई है।'इसके अलावा शिवांगी खेडकर जो सीरियल 'मेहंदी है रचने वाली' में नजर आ चुकी हैं। उन्होंने भी इसी से जुड़ा अपना एक्सपीरियंस साझा किया। उन्होंने एक चैट का स्क्रीनशॉट शेयर किया जिसमे लिखा था, 'एक अपडेट मिला है, वो एक ऐसा एक्टर ढूंढ रहे है जिसके 1 मिलियन फॉलोवर हों।' जिसके जवाब में उन्होंने लिखा था- 'क्या ही बोले।'इस चैट की तस्वीर को साझा करते हुए इंस्टा स्टोरी में शिवांगी ने लिखा- 'फीडबैक ऑडिशन के लिए नहीं था, ना ही परफॉर्मेंस के लिए था। ये फॉलोवर्स के बारे में था। जरूरत 1 मिलियन फॉलोवर की है। किरदार भले ही काल्पनिक हो लेकिन नंबर असली होने चाहिए।'यह भी पढ़ें- 'समझौता कर लो 1 लाख मिलेंगे', मानवी गगरू ने इंडस्ट्री के काले सच का किया पर्दाफाश, बोलीं- नॉन नेपो किड के साथ ये होता है।टैलेंट हो या ना हो लेकिन सोशल मीडिया फॉलोवर होना जरूरी।

1 साल तक छिपाई करण और तेजस्वी ने अपनी सगाई

टीवी के चर्चित कपल करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश ने जब से सगाई की है, तभी से दोनों काफी सुर्खियों में हैं। नेटफ्लिक्स पर आए शो 'देसी ब्लिंग' में करण ने तेजस्वी को प्रपोज किया था। अब एक्टर ने अपनी सगाई से जुड़ी एक बात साझा की है। एक्टर ने बताया है कि उनकी सगाई करीब एक साल पहले हो चुकी थी लेकिन शो की वजह से उन्होंने रिवील नहीं किया था। हाल ही में करण कुंद्रा का एक पॉडकास्ट देखा गया जिसमें वो 'देसी ब्लिंग' के एक्टर्स के साथ दिखाई दिए। एक्टर ने एक किस्सा बताते हुए कहा कि तेजस्वी बहुत परेशान थी कि एक साल से सगाई होने के बाद भी वो रिंग नहीं पहन पाती थी सिद्धार्थ कन्नन के शो में करण से उनकी शादी पर सवाल किया जाता है कि वो शादी कब करेंगे तो करण कहते है, ठीक है यार, हो जाएगी। इसी बीच उनके साथ बैठे बाकी एक्टर्स कहते है कि शायद सीजन 2 में हो जाए। उन्हें चुप कराकर करण कहते है- 'बहुत आसान बात है कि हमने 'देसी ब्लिंग' किया, उसके आखिरी एपिसोड में हमने सगाई की। अगर मैं शो के रिलीज से पहले शादी कर लेता तो कितना अजीब लगता। हमें क्या पता था कि शो को आने में एक साल लग जाएगा। हम एक साल पहले ये कर चुके थे। लेकिन अगर हम शादी कर लेते तो फैंस बोलते कि जब शादी ही हो गई तो अब ये शो में सगाई क्यों दिखा रहें हैं।"हम प्रोफेशनल कलाकार है। हमने किसी के साथ कॉन्ट्रैक्ट किया है हम ऐसा कैसे कर सकते थे।' इसके बाद करण ने तेजस्वी के लिए कहा कि 'सोचिए उस बेचारी के पास रिंग थी लेकिन वो नहीं पहन सकती थी क्योंकि लोगों को नहीं पता था हम सगाई कर चुके हैं।'

बता दें कि करण और तेजस्वी को इन दिनों लाफ्टर शेफ में साथ देखा जाता है। उनकी कैमिस्ट्री लोगों को बिग बॉस के समय से ही काफी पसंद आती है। इस बातचीत में करण और भी कई बातों का खुलासा करते है। उन्होंने यहां ये भी बताया कि तेजस्वी को प्रपोज करने से पहले एक्टर ने उनके और अपने माता पिता से इजाजत ली थी।

साथ ही उन्होंने कहा कि 'जिन लोगों ने हमें बड़ा किया, हम उनसे इतनी बड़ी बात के लिए क्यों नहीं पूछेंगे। जो लोग मेरे कमेंट्स में ऐसा लिख रहे है कि आपको अपने माता पिता से बात नहीं करनी चाहिए, लानत है उन लोगों पर। हिंदुस्तान में पैदा हुए हो या कार्दशियन के घर।'करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश ने अपनी सगाई की खबर को नेटफ्लिक्स के शो देसी ब्लिंग के जरिए अपने चाहने वालों के साथ शेयर किया। एक्टर करण कुंद्रा ने खूबसूरत डायमंड रिंग के साथ तेजस्वी को प्रपोज किया था। जिसके वीडियोज सोशल मीडिया पर आते ही वायरल होने लगे थे।

सुरभि ने दिखाई बेबी गर्ल की पहली झलक

कुबूल है फेम सुरभि ज्योति इस वक्त अपना मदरहुड एन्जॉय कर रही हैं. उन्होंने 13 जून को बेटी को जन्म दिया. इसका ऐलान खुद एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम के एक पोस्ट के साथ किया था. बेटी के जन्म के बाद से ही हर फैंस उनकी नन्हीं परी की एक झलक पाने का वेट कर रहे हैं और फैंस का इंतजार अब खत्म हो गया है. डिलिवरी के एक हफ्ते बाद सुरभि ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर बेटी की एक तस्वीर शेयर की है. एक्ट्रेस ने जो तस्वीर शेयर की है, उसमें उनकी नन्ही परी अपनी छोटे से हाथ से पापा की उंगली थामे नजर आ रही है. इस तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा है- बस इतना ही चाहिए और कुछ नहींसुरभि ज्योति ने साल 2024 में अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड और एक्टर सुमित सूरी संग शादी रचाई थी. दोनों की शादी की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुए थे. शादी के 2 साल बाद कपल पेरेंट्स बना है.वर्कफ्रंट की बात करें तो, सुरभि कई सीरियल में नजर आ चुकी हैं. उन्हें शो %कुबूल है% के बाद से पहचान मिली थी. टीवी सीरियल के अलावा एक्ट्रेस कई पंजाबी फिल्में, म्यूजिक वीडियो और वेब सीरीज में भी नजर आ चुकी हैं।

गूगल पर नोरा फतेही को किया गया सबसे ज्यादा सर्च

नोरा ने 12 जून को फीफा वर्ल्ड कप 2026 में शानदार परफॉर्मस दी थी, जिसके बाद से लोग उनके गानों, फिल्मों और निजी जिंदगी के बारे में जानने के लिए इंटरनेट पर उन्हें सर्च कर रहे हैं.नोरा फतेही की पॉपुलैरिटी सिर्फ बॉलीवुड तक सीमित नहीं है. उन्होंने फीफा वर्ल्ड कप 2026 के दौरान भी अपने शानदार परफॉर्मेंस से दुनियाभर के दर्शकों का दिल जीत लिया है.

बॉलीवुड की मशहूर डांसर और एक्ट्रेस नोरा फतेही आज सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया भर में अपनी पहचान बना चुकी हैं. अपने शानदार डांस, ग्लैमरस अंदाज और अलग स्टाइल की वजह से नोरा हमेशा चर्चा में रहती हैं. इस बीच उन्होंने एक और सफलता हासिल की है. दरअसल, नोरा गूगल पर सबसे ज्यादा सर्च की जाने वाली बॉलीवुड स्टार बन गई हैं. जी हां, नोरा ने 12 जून को फीफा वर्ल्ड कप 2026 में शानदार परफॉर्मस दी थी, जिसके बाद से लोग उनके गानों, फिल्मों और निजी जिंदगी के बारे में जानने के लिए इंटरनेट पर उन्हें सर्च कर रहे हैं.नोरा फतेही की पॉपुलैरिटी सिर्फ बॉलीवुड तक सीमित नहीं है. उन्होंने फीफा वर्ल्ड कप 2026 के दौरान भी अपने शानदार परफॉर्मेंस से दुनियाभर के दर्शकों का दिल जीत लिया है. सोशल मीडिया से लेकर गूगल तक, हर जगह उनके नाम की खूब चर्चा हो रही है, जिससे वह इस समय सबसे ज्यादा चर्चित सितारों में शामिल हो गई हैं.

गूगल ट्रेंड्स के आंकड़ों के मुताबिक, नोरा को गूगल पर सबसे ज्यादा सर्च किया गया है, जिसके बाद वो गूगल पर सबसे ज्यादा सर्च की जाने वाली बॉलीवुड स्टार बन गई है. इतना ही नहीं उन्होंने प्रियंका चोपड़ा, आलिया भट्ट और दीपिका पादुकोण जैसी बड़ी एक्ट्रेस को भी पीछे छोड़ दिया है. दुनियाभर के लोग उनके बारे में जानने के लिए गूगल पर सर्च कर रहे हैं, जिससे उनकी ग्लोबल पॉपलैरिटी का अंदाजा लगाया जा सकता है.

फीफा वर्ल्ड कप 2026 में किया परफॉर्म

रिपोर्ट्स के मुताबिक, 12 जून 2026 को फीफा वर्ल्ड कप 2026 के उद्घाटन समारोह में नोरा फतेही की शानदार परफॉर्मेंस के बाद उनकी लोकप्रियता में अचानक जबरदस्त उछाल देखने को मिला. जैसे ही उनके परफॉर्मेंस के वीडियो और तस्वीरें इंटरनेट पर सामने आए, सोशल मीडिया पर उनकी खूब चर्चा होने लगी. फैंस ने उनके खूब वीडियो शेयर किए और पोस्ट पर भी रिएक्शन आने लगे.बता दें कि, इस उपलब्धि के बाद नोरा ने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट भी शेयर किया.

अपने पोस्ट में नोरा ने लिखा, मैं यह खुशी आप सभी के साथ शेयर करना चाहती हूं. उन्होंने बताया कि उनके लिए यह पल इसलिए भी खास था क्योंकि इतने बड़े मौके पर उनके परिवार और करीबी लोग एक साथ मौजूद थे. इससे पहले भी उन्होंने फीफा वर्ल्ड कप से जुड़ी कई तस्वीरें और वीडियो शेयर किए थे, जिन पर फैंस ने जमकर प्यार बरसाया था.

विठाबाई बन श्रद्धा ने जीता दिल

श्रद्धा कपूर जब भी किसी कैरेक्टर को पर्दे पर पेश करती हैं तो उसके साथ पूरी तरह से न्याय करती नजर आती है। अब उन्हें आने वाली फिल्म ईथा में अपने किरदार के लिए सुर्खियां बटोरते हुए देखा जा रहा है। लक्ष्मण उतेकर के निर्देशन में बन रही इस फिल्म का टीजर आज कॉकटेल 2 के साथ सिनेमाघरों में रिलीज किया गया। इसमें एक्ट्रेस ने जिस शिद्दत से अपने किरदार को निभाया है वह देखकर दर्शकों का दिल खुश हो गया है। फिल्म में महाराष्ट्र की मशहूर तमाशा और लावणी कलाकार विठाबाई नारायणगांवकर की जिंदगी को दिखाया गया है। इसमें 1940 से 1990 के दशक तक की कहानी दिखाई जाएगी। जिसमे उनके मशहूर होने के सफ़र से लेकर संघर्ष सब कुछ शामिल है। फिल्म की पहली झलक फैंस को बहुत पसंद आ रही है। जो दर्शक शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना की आज रिलीज हुई फिल्म कॉकटेल 2 देखने के लिए पहुंचे। उन्हें एक बड़ा सरप्राइज़ भी मिला। जैसे ही फिल्म का पहला शो शुरू हुआ श्रद्धा कपूर की हैरान करने वाली झलक दिखाई दी। लावणी डांसर के रोल में वह शानदार लग रही थी। फिल्म के टीजर की बात करें तो ईथा में मशहूर लावणी कलाकार की जिंदगी के सबसे यादगार पलों को दिखाया गया है। श्रद्धा इस सीन में पूरी तरह से डूबी हुई दिखाई दे रही है। यह बताया गया है कि किस तरह विठाबाई प्रेग्नेंट होने के बावजूद भी स्टेज पर जबरदस्त परफॉर्म करती है।

शो के दौरान उन्हें एहसास होता है कि बच्चे का जन्म होने वाला है लेकिन शो को बीच में ना छोड़कर वह बैकस्टेज पर बच्चे को जन्म देती हैं। यहां हिम्मत की अनोखी मिसाल दिखाई गई है क्योंकि वह पत्थर से गर्भनाल काटती हैं और परफॉर्मेंस पूरा करने के लिए वापस स्टेज पर आ जाती हैं। उनकी हिम्मत और लगन दर्शकों को हैरान कर देती है और लोग तालियां बजाने लगते हैं। विठाबाई महाराष्ट्र की बहुत प्रसिद्ध लावणी कलाकार थी। उनकी जिंदगी की सबसे अहम घटना वह थी जब उन्होंने अपने बच्चे को जन्म दिया। वह 9 महीने के गर्भवती थी और दर्शकों के सामने परफॉर्म कर रही थी। परफॉर्मेंस के दौरान उन्हें एहसास हुआ कि बच्चे का जन्म होने वाला है इसके बाद एक समझदार और बहादुर महिला होने के नाते उन्होंने बैक स्टेज पर बच्चे को जन्म दिया और वापस अपना शो पूरा किया। उन्हें नारायणगांव की मशहूर और दिग्गज तमाशा कलाकार के तौर पर पहचाना जाता है।

साप्ताहिक जलसा

स्वयंसिद्धा

"हॉस्पिटल नहीं, भिलाई का सुरक्षा कवच है सेक्टर-9" ; डॉक्टरों की कमी और निजीकरण के दावों पर सेल प्रबंधन के खिलाफ फूटा महिलाओं का गुस्सा !

छत्तीसगढ़ की अग्रणी महिला संस्था स्वयंसिद्धा-ए मिशन विद ए विजन द्वारा गत 7 वर्षों से प्रत्येक सप्ताह संगीत, साहित्य, संस्कृति, स्वास्थ्य, सिनेमा, फोटोग्राफी, कानूनी सलाह आदि समसामयिक विषयों पर नियमित स्तंभ चलाए जाते हैं जिनमें प्रत्येक मंगलवार परिचर्चा का आयोजन किया जाता है।

अधिकारियों, जिम्मेदारों, नेताओं, मंत्रियों के विचार तो हम हमेशा सुनते हैं लेकिन आम गृहणियां और माताएं समसामयिक विषयों पर क्या सोचती है इस पर हमने कभी बात नहीं की।

संस्था प्रमुख डॉ.सोनाली चक्रवर्ती कहती है-" छत्तीसगढ़ की रीढ़ की हड्डी है भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र यदि दिल है तो इस दिल की धड़कन है सेक्टर 9 स्थित जवाहरलाल नेहरू चिकित्सा एवं अनुसंधान केंद्र (सेक्टर-9 अस्पताल)। इसकी स्थापना 1970 में हुई थी। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड) के भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा संचालित ८६० बिस्तरों वाला एक प्रमुख और विशाल मल्टी-स्पेशलिटी अस्पताल छत्तीसगढ़ के सबसे बड़े अस्पतालों में से एक है जिसकी निर्माण की प्रक्रिया 1959 से शुरू हो गई थी जो भिलाई इस्पात संयंत्र के कर्मचारियों और उनके परिवारों को विश्व स्तरीय चिकित्सा सुविधा प्रदान करने के लिए किया गया था।

अस्पताल के निजीकरण की चर्चाएं मुख्य रूप से 2021 से 2025 के बीच तब जोर पकड़ने लगीं जब संयंत्र (इरढ) के कुछ विभागों और टाउनशिप की सुविधाओं को अपग्रेड या लीज पर देने के प्रयास हुए, जिससे कर्मचारियों में भ्रांति फैल गई कि अस्पताल का भी निजीकरण हो सकता है। इस बात का कड़ा विरोध शुरू हो गया। अस्पताल में कार्यरत कई वरिष्ठ और विशेषज्ञ डॉक्टर पिछले कुछ वर्षों में सेवानिवृत्त हुए हैं। नए डॉक्टरों की नियुक्ति की तुलना में रिटायर होने वालों की संख्या अधिक रही है।भिलाई इस्पात संयंत्र (इरढ) प्रबंधन द्वारा संचालित इस अस्पताल में सुपर-स्पेशलिस्ट, स्पेशलिस्ट और जनरल ड्यूटी मेडिकल ऑफिसर्स (ऋड्ढटड) के कई पद लंबे समय से खाली पड़े हुए हैं। निजी अस्पतालों की तुलना में सरकारी या सेल (रअक्छ) के अंतर्गत वेतनमान और सुविधाएं आकर्षक न होने के कारण विशेषज्ञ डॉक्टर यहां नौकरी करने से बचते हैं। लेकिन भिलाई इस्पात संयंत्र में आजीवन सेवाएं देने वाले सेवानिवृत कमचर्चारियों की जीवन रेखा है यह अस्पताल।

प्रगति नगर निवासी शीला प्रकाश कहती हैं-"जवाहर लाल नेहरू चिकित्सा एवं अनुसंधान केन्द्र एक समय पर अंचल के सबसे अच्छे अस्पताल की श्रेणी में आता था लेकिन अभी डाक्टर की कमी के कारण बहुत से विभाग बंद के कगार पे है। बहुत से विभाग जैसे हार्ट, न्यूरो इत्यादि के डाक्टर बाहर से आते हैं। अधिकतर प्रथम पाली में ही आते हैं। लेकिन अगर किसी को इमरजेंसी में दिखाना हो तो डाक्टर उपलब्ध नहीं रहते।

बीएसपी डाक्टर को हायर करना चाहते हैं। लेकिन यहां डाक्टर ज्वाइन करना नहीं चाहते। क्योंकि यहां पेमेंट कम है और समय की पाबंदी में बंधना नहीं चाहते। मैं भी विगत 30 वर्षों से सेक्टर- 9 अस्पताल से ही सेवा ले रही हूं। हमारे बच्चे भी यही पे हुए। आज से करीब 30 साल पहले प्रथम प्रेग्नेंसी के समय मैं रांची में थी। उस वक्त डाक्टर ने मुझे हार्ट का प्रोब्लम बताया और ऑपरेशन की सलाह दी। लेकिन मेरे हसबैंड ने कहा पहले मैं भिलाई में दिखाउंगा। तब से अभी तक मैं सेक्टर 9 में ही दिखा रहीं हूं। हमारे विश्वास का दूसरा नाम है यह अस्पताल"

शासकीय शिक्षिका श्रुति तिवारी कहतीं है -"यहां की सुविधा बीएसपी कमर्चारियों के लिए वरदान से कम नहीं मैंने मुश्किल दिनों में अपने सास ससुर को इस अस्पताल की सुविधा लेते देखा है। वृद्धावस्था में चिकित्सा की सुविधा किसी के लिए भी बहुत बड़ी सुविधा है क्योंकि बहुत से वृद्ध जनों के बच्चे बाहर रहते हैं उस समय सेक्टर 9 का अस्पताल ही उनकी संतान है जो उनकी देखभाल करता है। इस अस्पताल को और बेहतर होना चाहिए ना कि निजी हाथों में जाना चाहिए"

हुडको निवासी सरोज टहनगुरिया कहती है -"आज 1 हफ्ते से मै स्वयं इस अस्पताल में एडमिट हूँ यहां की साधन और सुविधा हम बीएसपी वालों के लिए ऐसा है जैसे हम घर के सदस्यों के बीच है।हमें कुछ अंजाना या अलग सा भय महसूस नहीं होता।हम पूर्ण विश्वास के साथ भरोसे से यहां अपना इलाज करवाते हैं और स्वस्थ होकर जाते हैं।यहां एडमिट होने के बाद निश्चिंत रहते है कि हमें यहां एक अच्छा, स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण मिलेगा। यह हॉस्पिटल प्राइवेट हाथों में चला जाएगा तो हमारे हाथ से बहुत कुछ निकल जाएगा।"

शिक्षिका कुदसिया अली का कहना है - "भिलाई का नाम जब आता है तो पहले भिलाई स्टील प्लांट फिर सेक्टर 9 का अस्पताल जेहन में आता है।वो इतना भव्य है कि उसके देख कर फक्र होता है कि स्वास्थ्य व्यवस्था देखनी हो तो सेक्टर 9 hospital देख आओ। मेरा तो जन्म भिलाई का है और सेक्टर 9 का ही है। इसका प्राइवेटाइजेशन कर देना बहुत ही गलत है। एक तरह से ऐसे समझना चाहिए कि भिलाई की आधी से ज्यादा आबादी इस अस्पताल के भरोसे है। क्यों कि ये आबादी उन रिटायर्ड लोगों की है जिन्होंने भिलाई को बनाने में अपने जीवन के कई दशक दे दिए। उनको ये ही मात्र एक अस्पताल है जो कोई भी स्वास्थ्य से जुड़े कठिनाई को यहां इलाज मिलता था। अगर इनको वंचित कर देंगे तो ये बहुत बड़ा नुकसान होगा जहाँ पूरी दुनिया में चिकित्सा को व्यवसाय बना दिया गया है वहां इस अस्पताल में चिकित्सा आज भी सेवा का दूसरा नाम है"

सेक्टर-1निवासी गीता चौधरी कहती हैं -" सेक्टर 9 अस्पताल, मैत्री बाग और भिलाई इस्पात संयंत्र यह हम सभी भिलाई वासियो कि आन बान और शान है।हम बहुत ही गर्व से कहते हैं हम भिलाई में रहते हैं अभी कुछ समय से सेक्टर 9 अस्पताल को किसी प्राइवेट अस्पताल या किसी निजी हाथों में सौपने की बात हो रही है जिससे हम सब चिंतित हैं। इस्पात संयंत्र में कार्य करने वाले कमर्चारी, अधिकारी तथा रिटायर हो चुके लोग जो अपना आधे से अधिक जीवन भिलाई स्टील प्लांट को दे चुके हैं एवं राष्ट्र निर्माण में सहयोग किया है अब जब उनको सेक्टर 9 अस्पताल से दवाईयो की जरूरत पड़ रही है तब अस्पताल का प्राइवेट होने की बात सुनकर उन लोगों की रूह कांप जाती है क्योंकि भिलाई इस्पात संयंत्र उनकी कमर्भूमि है और सेक्टर 9 हॉस्पिटल उनके बुढ़ापे की लाठी।

भिलाई वालो को सेक्टर 9 अस्पताल मे उपस्थित डॉक्टर, नर्स, प्रबंधन एवं स्वास्थ्य कमिर्यों पर बहुत विश्वास रहता है कि यहां के डॉक्टर जो भी सलाह देंगे वह सही होगा, हमें गलत दवाई नहीं दिया जाएगा और तो और सेक्टर 9 हॉस्पिटल का बर्न यूनिट तो बहुत ही प्रसिद्ध है यहां पर बाहर से लोग इलाज के लिए आते हैं।

बी. एस. पी. मे भी आग लगा था तब बहुत से लोग घायल हो गए थे उसमें से कई लोगों को बचा लिया गया था।यह हमारे सेक्टर-9 अस्पताल के डॉक्टरों की देन थी। हम भिलाई वासी अपने पूर्व और वतर्मान में कार्य कर रहे कमर्चारियो के खून पसीने से सींचे गए इस अस्पताल को जिस पर हमारा अधिकार है निजी हाथों में जाने नहीं देंगे। इसकी हर परिस्थिति में रक्षा करेंगे।"

अवधपुरी निवासी रतना दुफारे कहती हैं- "बहुत मायने रखता हैं यह हॉस्पिटल हम भिलाई वासियों के लिए ' जब से पापा ने प्लांट में जॉब किए तब से हम सब के लिए यह हॉस्पिटल हैं ' अब पापा नहीं हैं ' फिर भी मम्मी को इसकी सुविधाओं का लाभ मिल रहा हैं ' हम भाई बहन भी इसी हॉस्पिटल में हुए हैं और हमारे बच्चे भी ' कुछ भी सेहत की परेशानी हो तो इसी हॉस्पिटल में जाते हैं ' प्राइवेट में जाते ही नहीं हैं ' हमारा भरोसा तो इसी हॉस्पिटल पर हैं ' पूरी तरह सुरक्षित और विशेषज्ञ डॉ की टीम हैं ' अभी कुछ डॉ की कमी हैं ' उसको भी दूर किया जा सकता है ' बर्न यूनिट तो टॉप क्लास हैं ' हमसे हमारा हॉस्पिटल ना छीना जाए "

मॉडल टाउन निवासी नमिता त्रिपाठी कहती है-" जीवन के कई विषम परिस्थितियों और आर्थिक विसंगतियों के बीच भी यह अस्पताल अपने पूर्व कमर्चारियों को चिकित्सा सुविधा प्रदान करता है बिना किसी भेदभाव के।इससे पारिवारिक जीवन में स्थिरता बनी रहती है। मेरे ससुर जी इस्पात संयंत्र के पूर्व कमर्चारी हैं तो आज तक सासु मां की चिकित्सा का हम पर कोई मानसिक और आर्थिक दबाव नहीं पड़ता।

" विवाह पश्चात भोपाल में रहने वाली भिलाई की बेटी सोशल एक्टिविस्ट अनुश्री सरकार कहती है -"Sector 9 अस्पताल जान है भिलाई का। जैसे भिलाई स्टील प्लांट शान है प्राइवेट में बिलकुल बिल्कुल नहीं जाना चाहिए क्योंकि यह चिकित्सालय हमारे जीवन का हिस्सा है जहां हमने भी जन्म लिया है और हमारे बच्चों ने भी। मेरे पापा के ब्रेन का ऑपरेशन वही हुआ है जो बेहद सफल रहा और उन्होंने लंबा जीवन जिया।हालत यह है कि हम जो आज भिलाई में नहीं रहते किसी भी अस्पताल की अवस्था देखते ही कहते हैं कि आपको स्वच्छ और अच्छा अस्पताल देखना है तो एक बार भिलाई जाकर देख कर आओ "

राधिका नगर निवासी कलाकार रीता वैष्णव कहती हैं -" अब यह तो कोई बात नहीं हुई की हर बात में पैसा देखा जाए। भिलाई इस्पात संयंत्र के कमर्चारियों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास आदि सुविधाएं दी गई है। सारे स्कूलों को भी साजिश के तहत बंद किया गया जिन स्कूलों में पढ़ने वाले हम बच्चों को कभी ट्यूशन की जरूरत नहीं पड़ी ऐसे स्तरीय शिक्षक होते थे और अब अस्पताल के ऊपर नजर पड़ गई लोगों की। एक समय था पूरे छत्तीसगढ़ से सेक्टर 9 अस्पताल में मरीजों को रेफर किया जाता था उसको इस स्थिति में पहुंचाया किसने ?

अगर कुछ करना ही है तो भिलाई सेक्टर 9 में अच्छे और अनुभवी डॉक्टर को ज्वाइन करने के लिए तैयार कीजिए । हर वर्ष इतने डॉक्टरी की पढ़ाई करके निकलते है और उनके पास सरकारी नौकरी नहीं होती, कम पेमेंट मे बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देने के लिए किसी भी अनुभवी डॉक्टर को दबाव नहीं दे सकते।आज भी अच्छे डॉक्टर उपलब्ध हैं लेकिन उनको सही पेमेंट नहीं होने की वजह से बी. एस. पी. अस्पताल में नौकरी नहीं करना चाहते। इसका निराकरण सेल प्रबंधन से होना चाहिए"

तलपुरी निवासी शिक्षिका कमलेश आर्य कहती है :- मेरे पिताजी 1956 में भिलाई आए और हमारा पूरा परिवार हमेशा के लिए यही बस गया। जब हम छोटे थे एक भयानक सड़क दुर्घटना में पिताजी को सर पर गंभीर चोटे लगी थी और उनको रास्ते से लोग सेक्टर 9 कैजुअल्टी ले गए थे। वहीं डॉक्टरों ने उनका प्राथमिक इलाज शुरू किया फिर हम ढूंढते हुए पहुंचे। अगले दिन 12 घंटे का ऑपरेशन हुआ 18 दिन तक पिताजी बेहोश रहे लेकिन उसके बाद ईश्वर कृपा, डॉक्टरों की मेहनत और मां के सेवा से पिताजी बिल्कुल ठीक हो गए। हम आज भी सेक्टर 9 अस्पताल के कृतज्ञ है। दूसरे अफसरों जैसा वेतन मान न रखते हुए डॉक्टर का वेतन बढ़ा के भी लाना चाहिए क्योंकि संयंत्र में काम करते हुए कमर्चारियों अधिकारियों को अच्छे स्वास्थ्य का अधिकार बनता है"

मैत्री कुंज निवासी प्रियंका सिंह कहती हैं- "मेरे हिसाब से यह एक बहुत कठोर निर्णय है । सेक्टर 9 का जवाहर लाल नेहरू अस्पताल , प्लांट में काम करने वाले कमिर्यों के विश्वास की डोर और हिम्मत है जो उनमे एक सुरक्षित जीवन की गारंटी की तरह है। वो जानते है, कि स्टील निर्माण के इतने खतरनाक माहौल में काम करते हुए अगर कुछ होता है तो अपना हॉस्पिटल है जो उनके जीवन की रक्षा के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगा।

ये सिर्फ एक अस्पताल नहीं है , ये एक मजबूत सुरक्षा कवच है, जो अपने वतर्मान कमर्चारीयों और उनके परिवार के लिए जरूरी होने के साथ साथ अपने सेवानिवृत कमर्चारियों के लिए बुढ़ापे की लाठी है। मेरी सासू मां को हमने हार्ट के लिए देश के कई संस्थानों में दिखाया लेकिन उनका भरोसा सिर्फ सेक्टर 9 ही था ये सुविधा तो उनके हसबैंड उनके लिए कर के गए है। यह अस्पताल भावनाओं से जुड़ा है।मेरे पड़ोस में एक बुजुर्ग आंटी जी अकेले रहती है। वैसे तो उनके तीन बच्चे है लेकिन वो उनको पास नहीं जाती है क्योंकि इस उम्र में उनको जिस चीज की सबसे ज़्यादा जरूरत है वो यही भिलाई में है और वो है उनका, अपना, हम सबका जवाहर लाल नेहरू हॉस्पिटल ।उनको अपने बच्चों से ज़्यादा सेक्टर 9 हॉस्पिटल पर भरोसा है ।जब सेल ने इरढ की स्थापना की तो जिस मानवीय संवेदना के प्रेरित हो अपने कमियी के हित को प्राथमिकता दी, निजी हाथों (प्राइवेटाइज)में जाने के बाद अपना हॉस्पिटल बाकी दूसरे हॉस्पिटल की तरह बस एक बिजनेस मॉडल बनकर रह जाएगा। तब शायद भिलाई इस्पात संयंत्र के कर्मियों के लिए वो संवेदना गुजरे समय की बात लगे ।

मैं अभी भी आशान्वित हूँ कि सेल इसे "गुजरे समय की बात" ना बनने दे बल्कि इसमें व्याप्त खामियों को दूर करके इसे छत्तीसगढ़ का गौरव बनाये।

सीएम साय ने राजनांदगांव को दी 510 करोड़ की सौगात, किसान सम्मेलन में हुए शामिल

फसल चक्र परिवर्तन-जल संरक्षण की सराहना, सस्पेंशन ब्रिज समेत बड़े प्रोजेक्ट की घोषणा

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रविवार को स्टेट हाई स्कूल मैदान में आयोजित प्रगतिशील किसान सम्मेलन एवं लोकार्पण-भूमिपूजन कार्यक्रम में 510 करोड़ 89 लाख 16 हजार रुपये के 333 विकास कार्यों का लोकार्पण व भूमिपूजन किया। इनमें 194.76 करोड़ के 107 कार्यों का लोकार्पण और 316.88 करोड़ के 226 कार्यों का भूमिपूजन शामिल है। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह विशेष रूप से मौजूद रहे।

इन बड़े प्रोजेक्ट की घोषणा

मुख्यमंत्री ने शिवनाथ नदी मोहारा मेला स्थल से ऑक्सीजन जोन तक 49 करोड़ की लागत से सस्पेंशन ब्रिज, 60 एकड़ सिंचाई के लिए 22 करोड़ से ईरा एनिकट निर्माण, 55 करोड़ से 22 किमी कुमरदा-गेंदाटोला-कल्लूबंजारी मार्ग और घुमरिया व्यपवर्तन जीणोद्धार के लिए 17 करोड़ की लाइनिंग कार्य की घोषणा की।

"मोदी की गारंटी पूरी की" : मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने मोदी की गारंटी पूरी की है। खरीफ 2026 से धान के बदले दलहन-तिलहन लेने वाले किसानों को 15 हजार रुपये प्रति एकड़ आदान सहायता मिलेगी। किसान सम्मान निधि छोटे किसानों के लिए वरदान है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना में प्रदेश को 18 लाख आवास मिले हैं। मुख्यमंत्री बिजली बिल समाधान योजना से उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी। ई-डिस्ट्रिक योजना से घर बैठे 400 सेवाएं मिलेंगी। सीएम हेल्पलाइन 1076 से समस्याओं का त्वरित समाधान हो रहा है। खरसिया-नवा रायपुर-परमालकसा तक 8741 करोड़ की रेल लाइन को भी मंजूरी मिली है।

फसल चक्र परिवर्तन की सराहना

सीएम ने फसल चक्र परिवर्तन और जल संरक्षण के लिए जिला प्रशासन, पद्मश्री फूलबासन बाई यादव और बिहान समूह की सराहना की। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि फसल चक्र परिवर्तन से जिले में बड़ा बदलाव आया है। 114 करोड़ की शिवनाथ व्यपवर्तन योजना से 19 गांवों को लाभ मिलेगा। लाइनिंग के बाद 1641 एकड़ की जगह 7870 एकड़ में सिंचाई होगी।

सोयाबीन खरीदी के लिए एमओयू

कार्यक्रम में जिला प्रशासन और एबीस एक्सपोर्ट के बीच किसानों के सोयाबीन उत्पाद खरीदी के लिए एमओयू हुआ। पद्मश्री फूलबासन बाई यादव, सरपंचों, प्रगतिशील किसानों, कृषि सखी दीदियों को सम्मानित किया गया। धान के बदले दलहन लगाने वाले किसानों को मिनीकीट बांटे गए।

इस मौके पर सांसद संतोष पाण्डेय, प्रभारी मंत्री गजेन्द्र यादव, महापौर मधुसूदन यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष किरण वैष्णव सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

जेएलएनएच सेक्टर-9 में कर्म शिरोमणि पुरस्कार वितरण समारोह, चार कर्मचारी हुए सम्मानित

उत्कृष्ट कार्य और समर्पण के लिए मिला सम्मान, अधिकारियों ने की सराहना

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केन्द्र, सेक्टर-9 में 19 जून को कर्म शिरोमणि पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कौशलेन्द्र ठाकुर ने की।

चिकित्सा विभाग में उत्कृष्ट प्रदर्शन, समर्पण और कार्यनिष्ठा के लिए चार कर्मियों को कर्म शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इनमें ऑपरेटिव कम टेक्नीशियन संतोष कुमार, रेडियोलॉजी विभाग के हॉस्पिटल अटेंडेंट मोहम्मद अख्तर, नर्सिंग प्रशासन के स्टाफ नर्स शैलेन्द्र दिनेश ग्वाल तथा स्टाफ नर्स मिथला कौशल शामिल हैं।

पुरस्कार डॉ. कौशलेन्द्र ठाकुर, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. उदय कुमार, महाप्रबंधक प्रभारी मानव संसाधन जे.एन. ठाकुर और महाप्रबंधक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं शाहिद अहमद ने प्रदान किए। अधिकारियों ने सम्मानित कर्मियों को बधाई दी और भविष्य में भी इसी कार्यकुशलता और समर्पण से काम करने के लिए प्रोत्साहित किया।

समारोह में अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. शील कमल ठाकुर, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. धीरज कुमार गुप्ता, सहायक महाप्रबंधक मानव संसाधन-गैर संकार्य जया राय, उप प्रबंधक नर्सिंग प्रशासन शैला अब्राहम, सहायक प्रबंधक मानव संसाधन-चिकित्सा शिबा थॉमस समेत चिकित्सा और मानव संसाधन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

खमतराई डब्ल्यूआरएस कॉलोनी में युवक की पीट-पीटकर हत्या, 24 घंटे में दो आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। खमतराई थाना क्षेत्र के डब्ल्यूआरएस कॉलोनी मैदान में 21-22 जून की रात एक व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और खमतराई थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के भीतर दो आरोपियों को हिरासत में ले लिया।

पूछताछ में दोनों आरोपियों ने बताया कि वे घटना के समय शराब के नशे में थे। क्षणिक विवाद के चलते उन्होंने मारपीट की, जिससे व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि आरोपियों की पहचान कर ली गई है और उनके खिलाफ अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है। फिलहाल पुलिस मृतक की पहचान और वारदात के अन्य पहलुओं की जांच में जुटी है।

बोरसी में बुलडोजर पीड़ितों के बीच पहुंचे वोरा, कहा - "भाजपा का जनकल्याण नहीं, जनपीड़ा का मॉडल"

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

बोरसीभाठा वार्ड क्रमांक 50 में आधी रात गरीब ग्रामीण परिवारों के आशियाने कार्रवाई करते हुए 4 मकानों को ध्वस्त कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है।

आज पूर्व विधायक एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता अरुण वोरा मौके पर पहुंचे और प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। पीड़ितों की व्यथा सुनने के बाद अरुण वोरा ने कलेक्टर से दूरभाष पर चर्चा कर मामले में तत्काल हस्तक्षेप की मांग की तथा बाद में मुलाकात कर पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी। वोरा ने कलेक्टर से कहा कि पुनर्वास की समुचित व्यवस्था की जाए ताकि बरसात के इस मौसम में उन्हें खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर न होना पड़े।

इस अवसर पर अरुण वोरा ने कहा कि—"यह किसी भी संवेदनशील प्रशासन की कायशैली नहीं हो सकती। ऊपर से बरसात के मौसम में यह करना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। सरकार लगातार गरीब हितैषी होने का दावा करती है, लेकिन जमीनी स्तर पर गरीब परिवार स्वयं को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। यदि किसी प्रकार की प्रशासनिक कार्रवाई आवश्यक थी तो पहले प्रभावित परिवारों को नोटिस, पर्याप्त समय और वैकल्पिक व्यवस्था उपलब्ध कराई जानी चाहिए थी। सरकार को यह बताना चाहिए कि उनके पुनर्वास और रहने की क्या व्यवस्था की गई है।"

प्रभावित परिवारों का कहना है कि उनके पास पट्टे से संबंधित दस्तावेज मौजूद हैं और उन्हें वर्षों पहले भिलाई इस्पात संयंत्र के निर्माण के दौरान विस्थापित कर इस क्षेत्र में बसाया गया था। रहवासियों का कहना है कि उन्हें अपना सामान सुरक्षित निकालने तक का पर्याप्त समय नहीं दिया गया। मौके पर वोरा के साथ मौजूद पूर्व महापौर आर.एन. वर्मा ने कहा कि - कांग्रेस पार्टी गरीब, मजदूर और कमजोर वर्ग के साथ खड़ी है तथा किसी भी परिवार के साथ अन्याय होने पर उसकी आवाज मजबूती से उठाई जाएगी।

इस दौरान पूर्व पार्षद ज्ञानदास बंजारे, ब्लॉक अध्यक्ष गुरदीप सिंह भाटिया, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष राजकुमार पाली, प्रदेश महामंत्री खेल विभाग रमेश (पप्पू) श्रीवास्तव, शरीफ खान एवं प्रदेश सचिव (अ.जा.) सुधीर चंदेल उपस्थित रहे।

"स्वच्छता अभियान सिर्फ दिखावा, जनता की कमाई बर्बाद कर रही सरकार" : देवेश मिश्रा

भगवा पार्टी प्रदेश अध्यक्ष ने साधा निशाना, बोले- धरातल पर नहीं दिख रही सफाई

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

भगवा (भारतीय गण वार्ता) पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष देवेश मिश्रा ने राज्य सरकार के स्वच्छता अभियान-2026 को जनता की गाढ़ी कमाई की बर्बादी और सिर्फ दिखावा करार दिया है। उन्होंने कहा कि दीवारों पर चित्रकारी और स्वच्छता संदेश लिखने से हकीकत नहीं बदलेगी।

"गली-मोहल्लों में गंदगी का साम्राज्य"

मिश्रा ने कहा कि सरकार ने नगरीय निकायों में अभियान छेड़ा है। शहर की मुख्य दीवारों और बाउंड्री पर छायाचित्र व स्वच्छता संदेश बनाए जा रहे हैं, लेकिन गली-मोहल्ले, वार्ड और गांवों में गंदगी का साम्राज्य है। कचरा निष्पादन की व्यवस्था वर्षों से नहीं बन पाई। शहरों के बीच कचरा डंप हो रहा है। कई क्षेत्रों में नालियों की सफाई ठप्प है। सड़कों की मरम्मत नहीं हो रही। ऐसे में मुख्य सड़कों-चौराहों को साफ कर चित्रकारी करना बेमानी है।

"प्लास्टिक-पॉलिथीन पर रोक नहीं"

उन्होंने कहा कि आज तक प्लास्टिक डिस्पोजल और पॉलिथीन का उपयोग बंद नहीं हो पाया। अस्पतालों, सरकारी संस्थानों, होटलों और शासकीय कार्यालयों में ही गंदगी पसरी है। धरातल पर सफाई व्यवस्था दिखनी चाहिए। लोगों में जागरूकता लाकर स्वच्छता की आदत डलवाने की कोशिश हो, वरना हर साल की तरह यह अभियान भी खानापूर्ति साबित होगा।

भाजपा पर साधा निशाना

एक सवाल के जवाब में मिश्रा ने कहा कि भाजपा ने ऐसा नरेटिव सेट कर रखा है कि जो भी उनकी नाकामियों के खिलाफ आवाज उठाए, वह हिंदू धर्म विरोधी कहलाता है। जैसे वे ही हिंदुओं के हितैषी और ठेकेदार हैं। मतलब साफ है कि भाजपा सरकार गलत करे, मनमानी करे, लेकिन जब तक समर्थन में बात करेंगे तभी हिंदू धर्म समर्थक कहलाएंगे। देवेश मिश्रा ने कहा कि भगवा पार्टी विशुद्ध रूप से सनातनी मूल्यों को सामने रखकर सर्वहितकारी और हर क्षेत्र के विकास के लिए काम करने को प्रतिबद्ध है।

सचिन पायलट से धर्मेन्द्र की मुलाकात

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

रायपुर में कांग्रेस नेता धर्मेंद्र यादव ने सोमवार को एआईसीसी महासचिव व छत्तीसगढ़ प्रभारी सचिन पायलट से की आत्मीय मुलाकात।

लापता दो नाबालिग युवतियां 72 घंटे में सकुशल बरामद

राजनांदगांव। थाना डोंगरगांव क्षेत्र के एक गांव से 17 जून को बिना बताए घर से निकली दो नाबालिग युवतियों को पुलिस ने 72 घंटे के भीतर सकुशल बरामद कर लिया। दोनों के घर लौटने पर परिजनों और गांव वालों ने राहत की सांस ली। 17 जून को युवतियों के लापता होने की सूचना पर थाना डोंगरगांव में धारा 137(2) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया गया था। पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देश पर मामले में त्वरित कार्रवाई की गई। अति पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर व नगर पुलिस अधीक्षक मंजूलता बाज के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक आशीर्वाद राहटगांवकर के नेतृत्व में टीम गठित कर अभियान चलाया गया। 20 जून को दोनों युवतियों को दस्तयाब किया गया। पूछताछ में उन्होंने बताया कि वे अपने रिश्तेदारों के यहां घूमने गई थीं।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100